हरिभूमि
हिसार-हांसी भूमि
रोहतक, रविवार 11 अक्टूबर 2026

9 दशहरा महोत्सव पर बैंड-बाजों के साथ निकाली



10 धान खरीद न होने से किसान परेशान दो सप्ताह बाद भी



खबर संक्षेप

परमीश वर्मा 24 को देंगे लाइव प्रस्तुति

हिसार। शहर में लाइव म्यूजिक और मनोरंजन के शौकीनों के लिए 24 अक्टूबर देसीवेर्सी म्यूजिकल इवेंट होगा। सेवन स्काइज रिसॉर्ट्स एवं सरस्वती जेवर महल द्वारा प्रस्तुत इस कार्यक्रम में पंजाबी गायक एवं कलाकार परमीश वर्मा लाइव परफॉर्म करेंगे। सेवन स्काइज रिसॉर्ट्स के मालिक करण गर्ग ने बताया कि परमीश वर्मा की लाइव परफॉर्मेंस के साथ डीजे मुनेका भी अपनी प्रस्तुति देंगी। इस मौके पर टीनू गर्ग, पारुल आहूजा, तनुज सिंगला, अमन सिंघल, रितिक कक्कड़, मन्नी ढिल्लों, और मनमोहन सिंगला आदि थे।

नियमों की अवहेलना पर साढ़े 97 हजार के चालान

हिसार। यातायात प्रभारी इंस्पेक्टर चंद्रभान की टीम ने हिसार शहर और लांधड़ी टोल प्लाजा पर कार्रवाई करते हुए कुल साढ़े 97 हजार रुपये के चालान किए। अभियान के दौरान प्रतिबंधित ब्लैक फिल्म लगी पांच कारों और ब्लैक फिल्म लगे दो डंपरों के चालान किए गए। प्रत्येक वाहन पर 10-10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। वहीं, पटाखों जैसी तेज आवाज निकालने वाली बुलेट का 17,500 रुपये व स्कॉर्पियो में डीजे साउंड लगाने पर 10 हजार का चालान किया गया।

हमला करने के आरोप में दो युवक गिरफ्तार

हिसार। आजाद नगर थाना पुलिस ने रास्ता रोककर मारपीट करने और तेजधार हथियार से हमला करने के मामले में चारनौंद निवासी मनजीत व राहुल को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त लकड़ी काटने वाली लोहे की तेजधार टोकी भी बरामद की है। थाना आजाद नगर प्रभारी ने बताया कि गत 9 अक्टूबर को चारनौंद निवासी अनिल के बयान पर आरोपियों के खिलाफ रास्ता रोककर मारपीट और तेजधार हथियार से हमला करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था।

चोरी करने का आरोपी गिरफ्तार, बाइक बरामद

हिसार। थाना अर्बन एस्टेट पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए सातरोड़ खुर्द निवासी अमन को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरीशुदा मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली है। पुलिस के अनुसार, सिरसा जिले के कुसुंबी निवासी सुरेंद्र ने शिकायत दी थी कि वह अपनी मोटरसाइकिल विजय गैरेज में खड़ी करके घर चला गया था। अगले दिन वापस आने पर मोटरसाइकिल गायब मिली। पुलिस ने आरोपी अमन को गिरफ्तार कर लिया।

सोलर कंट्रोलर चोरी का आरोपी गिरफ्तार

हांसी। खेत से 7.5 हॉर्स पावर का सोलर कंट्रोलर चोरी करने के मामले में खेड़ी चौपटा पुलिस चौकी ने कार्रवाई करते हुए संजय खटक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरी के 1500 रुपये बरामद किए हैं। उप निरीक्षक कृष्ण कुमार ने बताया कि गांव संदलाना निवासी रोहताश ने 26 जनवरी को शिकायत दी थी कि 23 जनवरी को उसके खेत से किसी ने 7.5 हॉर्स पावर का सोलर कंट्रोलर चोरी कर लिया।

ग्रामीणों को दी सरकारी योजनाओं की जानकारी

हांसी। सेवा संकल्प अभियान के तहत गांव डाटा में सेवा सेतु कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में अटल मंडल अध्यक्ष श्याम खांडा ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध प्रदान करना रहा। इस दौरान सिसाय मंडल अध्यक्ष देवेंद्र बूरा ,सरपंच रामकुमार, एसईपीओ धर्मेंद्र सनसनवाल, सरपंच प्रतिनिधि सतपाल, धूपसिंह, कृष्ण नंबरदार आदि उपस्थित रहे।

रेल सेवाएं बाधित, स्टेशन पर दिनभर पसरा सन्नाटा, यात्री हुए परेशान

जंतर-मंतर पर युवाओं के प्रदर्शन को लेकर दिल्ली रूट पर रेल सेवाएं रद्द

हिसार रूट की करीब एक दर्जन से अधिक रेल सेवाओं के रद होने से मुख्य बस स्टेंड पर अन्य दिनों की तुलना में अधिक भीड़भाड़ रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

दिल्ली के जंतर-मंतर पर युवाओं के प्रदर्शन को देखते हिसार रेलवे स्टेशन पर रेल सेवाएं बाधित रही। हिसार से दिल्ली रूट की तकरीबन सभी ट्रेन रद किए जाने से रेलयात्रियों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। रेलवे स्टेशनों पर दिनभर सन्नाटा पसरा रहा। रेलयात्री ट्रेन में सफर करने के लिए पहुंचे, मगर उन्हें स्टेशन पहुंचने पर पता चला कि दिल्ली रूट की ट्रेन रद हैं। हालांकि रेलवे प्रशासन की तरफ से ट्रेन रद होने की सूचना शुक्रवार रात को ही जारी कर दी गई थी। उधर, हिसार रूट की करीब एक दर्जन से अधिक रेल सेवाओं के रद होने से मुख्य बस स्टेंड पर अन्य दिनों की तुलना में अधिक भीड़भाड़ रही।



हिसार। रेलवे स्टेशन पर ट्रेन रद होने से पसरा सन्नाटा। फोटो : हरिभूमि

हिसार से आवागमन करने वाली ये ट्रेन रही रद

दिल्ली में चल रहे आंदोलन के चलते रेलवे ने एक दर्जन से अधिक रेलसेवाएं रद्द की हैं। ट्रेनों के रद्द होने से हिसार, सिरसा, भिवानी, रेवाड़ी, श्रीगंगानगर और दिल्ली सहित विभिन्न शहरों के यात्रियों की आवाजाही प्रभावित रही। इसके तहत शनिवार को गाड़ी संख्या 15308 सिरसा-तिलकब्रिज, 12963 हजरत निजामुद्दीन-उदयपुर सिटी, 14738 तिलकब्रिज-भिवानी, 14737 भिवानी-तिलकब्रिज और 14728 तिलकब्रिज-श्रीगंगानगर रेलसेवाएं रद रही। इसके अलावा गाड़ी संख्या 74004 और 54414 रेवाड़ी-दिल्ली, 54421 दिल्ली-रेवाड़ी, 54310 हिसार-दिल्ली, 54424 हिसार-नई दिल्ली और 54423 नई दिल्ली-हिसार रेलसेवाएं भी 10 अक्टूबर को संचालित नहीं हुई। गाड़ी संख्या 54316, हिसार-रेवाड़ी रेलसेवा, गाड़ी संख्या 54325, रेवाड़ी- हिसार रद रही।



कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता सुमन शर्मा साथियों सहित डिटेन



हांसी। दिल्ली में चल रहे आंदोलन को लेकर कांग्रेस नेताओं को उनके घरों में डिटेन किए जाने और कथित वोट चोरी के विरोध में चल रहे आंदोलन में शामिल होने जा रहे कांग्रेस पार्टी के हरियाणा प्रदेश प्रवक्ता पंडित सुमन शर्मा को किला बाजार पुलिस चौकी ने शनिवार को उनके साथियों सहित डिटेन कर लिया गया। पुलिस उन्हें उनके कार्यालय से डिटेन करके किला बाजार पुलिस चौकी ले गई। सुमन शर्मा ने दिल्ली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और सांसद दीपेंद्र हुड्डा को हिरासत में लिए जाने की भी कड़े शब्दों में निंदा की।

आप नेता राजेंद्र सोरखी समर्थकों सहित डिटेन



हांसी। दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन में शामिल होने जा रहे आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय परिषद सदस्य एवं हांसी के जिला अध्यक्ष राजेंद्र सोरखी को पुलिस ने समर्थकों सहित रास्ते में डिटेन कर लिया। उन्हें सोरखी पुलिस चौकी ले जाया गया, जहां कई घंटे तक बैठाए रखा गया। आम आदमी पार्टी ने विपक्षी दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं को दिल्ली जाने से रोकने की कार्रवाई की निंदा की है। राजेंद्र सोरखी ने कहा कि सरकार की इस तरह की कार्रवाई से विरोधी दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं के हौसले पस्त नहीं किए जा सकते। सोरखी ने कहा कि सरकार को समझना चाहिए कि जनता की आवाज दबाने से विरोध खत्म नहीं होगा, बल्कि आंदोलन और तेज होगा।

चुनाव आयोग की जवाबदेही मांगना अपराध नहीं : बृजलाल

हिसार। जिला कांग्रेस अध्यक्ष बृज लाल बहबलपुरिया ने दिल्ली में धरना स्थल से दूर ले जाकर छोड़े जाने पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग की जवाबदेही मांगना कोई अपराध नहीं है। बृज लाल बहबलपुरिया पिछले दो दिनों से दिल्ली में मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि वह विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए धरना स्थल की ओर जा रहे थे, तो पुलिसकर्मियों ने उन्हें वहां जाने से रोक दिया। इसके बाद उन्हें हिरासत में लेकर धरना स्थल से दूर ले जाया गया और कुछ समय बाद छोड़ दिया गया।

हिरासत में लेने के विरोध में सरकार का पुतला दहन



हिसार। सरकार का पुतला जलाते अखिल भारतीय किसान सभा और संयुक्त किसान मोर्चा के सदस्य।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

दिल्ली के जंतर-मंतर पर अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करने जा रहे छात्र-युवाओं को गिरफ्तार करने और जगह-जगह हिरासत में लिए जाने के विरोध में शनिवार को अखिल भारतीय किसान सभा और संयुक्त किसान मोर्चा के नेताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान लघु सचिवालय के सामने मोदी सरकार का पुतला दहन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग उठाते हुए सरकार की कार्रवाई के प्रति अपना रोष व्यक्त किया।

प्रदर्शन की अध्यक्षता किसान नेता शमशेर सिंह नम्बरदार लाडवा ने की। इस अवसर पर किसान सभा और संयुक्त किसान मोर्चा से जुड़े नेताओं ने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक को अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने और सरकार के समक्ष अपनी बात रखने का अधिकार है। यदि छात्र-युवा किसी मुद्दे को लेकर अपनी आवाज बुलंद करना चाहते हैं, तो उनकी बात सुनने और समस्याओं का समाधान करने के बजाय उन्हें गिरफ्तार करना या हिरासत में लेना लोकतांत्रिक संवाद की भावना के विपरीत है। इस मौके पर संदीप धिरणवास, सतपाल शर्मा, अधिवक्ता विक्रम मित्तल, वजीर सिंह, दिनेश सिवाच, कमला देवी, बबली लाम्बा, डॉ. करतार सिंह सिवाच, सरदानन्द राजली, कृष्ण सातरोड़, सुरेंद्र मान आदि रहे।

बगला में मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला फूंका

हिसार। जंतर-मंतर पर किसान नेताओं, भारत की जनवादी नौजवान सभा (डीवाईएफआई), स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) के नेताओं, छात्र-युवाओं और महिलाओं की गिरफ्तारी तथा कथित वोट चोरी के आरोपों के विरोध में गांव बगला में प्रदर्शन किया गया। भारत की जनवादी नौजवान सभा और किसान सभा के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने सरकार व मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंककर रोष जताया और चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता व निष्पक्षता सुनिश्चित करने की मांग की। इस मौके पर डीवाईएफआई के जिला अध्यक्ष पंकज बगला, किसान सभा के जिला अध्यक्ष कपूर सिंह बगला, गौतम, अमन, रामचंद्र गोदारा, अनूप भाटी, वीरसिंह, रवि, सुरेंद्र मिरासी सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अदालत के समन पर फर्जी हस्ताक्षर मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

अदालत के सम्मन पर कथित रूप से फर्जी हस्ताक्षर करने के मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। अनाज मंडी पुलिस चौकी की टीम ने जग्गा बाड़ा, हांसी निवासी रवि को गिरफ्तार किया। पूछताछ और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे अदालत में पेश किया गया, जहां से न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

सहायक उप निरीक्षक अजय कुमार ने बताया कि इस संबंध में जगदीश कॉलोनी निवासी सुरेंद्र सिंह की शिकायत पर मई 2025 में थाना शहर हांसी में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि एक दीवानी मुकदमे के दौरान अदालत के सम्मन पर उसके फर्जी हस्ताक्षर किए गए, जिसके आधार पर उसके खिलाफ एकतरफा कार्रवाई हुई। शिकायतकर्ता ने मामले में कानूनी कार्रवाई की मांग की थी। पुलिस ने जांच के दौरान अदालत से संबंधित रिकॉर्ड और अन्य दस्तावेज जुटाए। संदिग्ध व्यक्तियों के नमूना हस्ताक्षर लेकर विवादित हस्ताक्षरों से उनका मिलान करवाने के लिए क्षेत्रीय विधि विज्ञान प्रयोगशाला, हिसार भेजा गया। जांच रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने मामले में आगे की कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, इस मामले में इससे पहले कर्ण कुमार को गिरफ्तार किया जा चुका है। अब रवि कुमार की गिरफ्तारी हुई है। मामले में आगे की जांच जारी है और अन्य तथ्यों की भी पड़ताल की जा रही है।

हिसार डिपो के रोडवेज चालक राजेश को विदेशी नंबर से आई धमकी भरी काल

हिसार। हरियाणा रोडवेज के हिसार डिपो में तैनात चालक राजेश कुमार ने एक अंतरराष्ट्रीय मोबाइल नंबर से व्हाट्सएप संदेश भेजकर धमकाने, दबाव बनाने और कथित तौर पर आपत्तिजनक गतिविधियों के जरिए परेशान करने का आरोप लगाया है। चालक ने इस संबंध में पुलिस अधिकारियों को शिकायत देकर मामले की जांच, संबंधित नंबर की पहचान और कानूनी कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के अनुसार, राजेश कुमार हरियाणा रोडवेज के हिसार डिपो में चालक के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कनाडा के अंतरराष्ट्रीय नंबर से उनके व्हाट्सएप पर लगातार संदेश भेजे गए। शिकायतकर्ता के मुताबिक, संदेशों के माध्यम से उनसे बातचीत करने का प्रयास किया गया और बाद में कुछ संदेशों को डिलीट भी कर दिया गया। उन्होंने इन संदेशों और व्हाट्सएप चैट के स्क्रीनशॉट को साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत किया है। राजेश कुमार ने शिकायत में यह भी आरोप लगाया कि उन्हें पहले हिसार बस स्टेंड पर धक्के मारने और मारपीट किए जाने की बात कहकर धमकाया गया। उन्होंने संदेशों में मेले के दौरान पहचान सामने आने और मामले को लेकर दबाव बनाने जैसी बातों का भी उल्लेख किया है। शिकायतकर्ता ने पूरे घटनाक्रम को गंभीर बताते हुए अपनी सुरक्षा और निष्पक्ष जांच की मांग की है। शिकायत में संबंधित अंतरराष्ट्रीय नंबर की तकनीकी जांच करवाने, उसकी पहचान और उपयोगकर्ता का पता लगाने तथा डिलीट किए गए संदेशों से जुड़े डिजिटल साक्ष्यों की पड़ताल करने का अनुरोध किया गया है। राजेश कुमार ने संबंधित पुलिस अधिकारियों और साइबर सेल से मामले की जांच कर आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में डिलीवरी ब्वॉय ने फंदा लगाकर जीवनलीला की समाप्त

- चार साल से लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहा था सोनू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में लगभग 32 वर्षीय सोनू ने घर में पंखे से चुन्नी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या से पहले उसने सुसाइड नोट लिखा, जिसमें अपनी पत्नी बिंदू और साली को मौत का जिम्मेदार ठहराया। सूचना मिलने पर एचटीएम थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नागरिक अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया। शनिवार दोपहर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने परिजनों के बयान और सुसाइड नोट के आधार पर मृतक की पत्नी बिंदू और उसकी बहन के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज किया है।

जानकारी के अनुसार सोनू मूल रूप से कैथल जिले के गांव भागल का रहने वाला था और डिलीवरी ब्वॉय का काम करता था। पत्नी बिंदू के साथ अनबन के चलते वह करीब चार साल से हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में पिंकी नामक महिला के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहा था। सोनू के दो बच्चे हैं। मृतक के परिजनों ने पुलिस को दिए बयान में आरोप लगाया कि बिंदू और उसकी बहन काफी समय से सोनू को परेशान कर रही थीं। इस संबंध में बिंदू से बात भी की गई थी, लेकिन इसके बावजूद सोनू को परेशान करना बंद नहीं किया गया।

पत्नी व साली को ठहराया मौत का जिम्मेदार

शुक्रवार शाम सोनू घर पर अकेला था। पिंकी और उसके बच्चे बाहर गए हुए थे। इसी दौरान सोनू ने कमरे में पंखे से चुन्नी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घर लौटने पर पिंकी को घटना का पता चला, जिसके बाद उसने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची एचटीएम थाना पुलिस को सोनू के पास से सुसाइड नोट मिला। उसमें उसने पत्नी बिंदू और उसकी बहन पर परेशान करने का आरोप लगाते हुए उन्हें अपनी मौत का जिम्मेदार बताया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आजाद नगर में घर से नकदी और सोने के आभूषण चोरी करने वाली महिला गिरफ्तार

हिसार। आजाद नगर थाना पुलिस ने घर से नकदी और सोने के आभूषण चोरी करने के मामले में आरोपी महिला मोनिका को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक लाख तीन हजार 500 रुपये की चोरीशुदा नकदी और सोने के आभूषण बरामद किए हैं। अदालत में पेश करने के बाद आरोपी महिला को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

- 1.03 लाख रुपये की नकदी और सोने के आभूषण बरामद, सीसीटीवी फुटेज की मदद से पकड़ी गई आरोपी

आजाद नगर थाना प्रभारी ने बताया कि गत 26 सितंबर को आजाद नगर निवासी सुनील की पत्नी ने शिकायत दी थी कि उनके घर से एक लाख 97 हजार रुपये की नकदी और सोने के आभूषण चोरी हो गए हैं। केस दर्ज करके जांच करते हुए मुख्य सिपाही स्वीटी की टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और उसके आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी महिला मोनिका को गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपी महिला शिकायतकर्ता के पड़ोस में ही किराए पर रहती थी। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक लाख तीन हजार 500 रुपये की चोरीशुदा नकदी और सोने के आभूषण बरामद किए हैं। इसके बाद उसे अदालत में पेश किया गया, जहां से न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

महावीर कॉलोनी में युवक पर चाकू से हमले में दो आरोपी गिरफ्तार

हिसार। महावीर कॉलोनी में युवक पर चाकू से हमला करने के मामले में पुलिस ने एक किशोर सहित दो आरोपियों को काबू किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त चाकू और स्कूटी बरामद की है। चौकी प्रभारी ने बताया कि महावीर कॉलोनी निवासी केशव कुमार ने शिकायत दी थी कि वह गली से अपने किसी काम के लिए जा रहा था। इसी दौरान स्कूटी पर सवार होकर आए आरोपियों ने उसे रोक लिया और कहा कि उन्हें किसी का घर पूछना है, इसलिए वह उनके साथ चले। केशव के साथ जाने से मना करने पर आरोपियों ने कथित तौर पर उसके साथ मारपीट की और चाकू से हमला कर दिया। शिकायत के आधार पर संबंधित थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की मदद से आरोपियों की पहचान की और उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

हकृवि में वर्षों से लंबित रावे भत्ता जारी



हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के विद्यार्थियों का वर्षों से लंबित रावे (ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव) भत्ता जारी होने पर विद्यार्थियों ने कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज से मुलाकात कर उनका आभार व्यक्त किया। विश्वविद्यालय प्रशासन और कुलपति के प्रयासों से भत्ता जारी होने पर स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने प्रसन्नता जताई। मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों का रावे भत्ता पिछले कई वर्षों से लंबित था। विश्वविद्यालय प्रशासन की पहल से भत्ता जारी होने पर विद्यार्थियों को राहत मिली है। इस अवसर पर कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने कहा कि विद्यार्थियों के हितों का ध्यान रखना बेहतर शैक्षणिक वातावरण की पहचान है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने ज्ञान और कौशल में निरंतर वृद्धि करने, नई तकनीकों को अपनाने और शोध कार्यों में सक्रिय भागीदारी करने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के नियंत्रक अधिकारी डॉ. आरके गुप्ता, विभागाध्यक्ष डॉ. दलीप बिश्नोई सहित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

रोडवेज कर्मचारियों की मांगों का समाधान नहीं हुआ तो बड़े आंदोलन के लिए होंगे मजबूर

कर्मियों की नाइट ड्यूटी के दो करोड़ 80 लाख बकाया : यूनियन

यूनियन ने हिसार डिपो की रूटेशन पहले की तरह करने की उठाई पूरजोर मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा एवं ऑल इंडिया रोड ट्रांसपोर्ट वर्कर फेडरेशन से संबंधित हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन ने मांग की है कि हिसार डिपो में कर्मचारियों की समस्याओं का जल्द समाधान किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने मांग की कि भादरा नाइट रूटेशन में किए गए बदलाव को वापस लेकर इसे पहले की तरह किया जाए। यूनियन के राज्य उपप्रधान, हिसार डिपो के चेयरमैन राजकुमार चौहान एवं हिसार डिपो वरिष्ठ उप प्रधान दयानंद सरसाना ने मांग उठाई कि आदमपुर नाइट रूटेशन, जिसे बंद कर दिया गया है, उसे भी दोबारा शुरू किया जाए। उन्होंने कहा कि दूसरे जिलों से आने वाले कर्मचारियों को ड्यूटी करने में परेशानी नहीं होनी चाहिए। स्थानीय गांवों की रूटेशन में ओवरटाइम की व्यवस्था की जाए। राजकुमार चौहान ने कहा कि 12 अक्टूबर को महाप्रबंधक के साथ होने वाली बैठक में कर्मचारियों की मांगों और साझा संघर्ष समिति के मुद्दों पर समाधान होना चाहिए। यदि बैठक में समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो साझा संघर्ष समिति बैठक कर आगामी आंदोलन की रणनीति तय करेगी।

मेडिकल बिलों की एक करोड़ की राशि बकाया

यूनियन नेताओं ने बताया कि डिपो के कच्चे और पक्के कर्मचारियों की नाइट ड्यूटी के करीब दो करोड़ 80 लाख रुपये की राशि बकाया है। मेडिकल बिलों की स्थिति पर उन्होंने बताया कि पहले करीब दो करोड़ रुपये के बिल लंबित थे, जिनमें से अब लगभग एक करोड़ रुपये की राशि बकाया है। इसके अलावा कर्मचारियों की एलटीसी और हिसार डिपो के लिए 250 टायरों का कोटा उपलब्ध करवाने की मांग भी लंबित है।

लीज बस के टायर के नीचे आने से घायल छात्रा विजेता की 11 दिन बाद मौत

- 29 सितंबर को बरवाला चुंगी पर हुआ था हादसा, निजी अस्पताल में चल रहा था उपचार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

बरवाला चुंगी पर लीज वाली (किलोमीटर स्कीम) बस से उतरते समय टायर के नीचे आने से गंभीर रूप से घायल हुई छात्रा विजेता की 11 दिन बाद उपचार के दौरान मौत हो गई। छात्रा का शहर के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था।

जानकारी के अनुसार, 29 सितंबर को गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय से मनोविज्ञान विषय में स्नातक कर रही छात्रा विजेता किलोमीटर स्कीम वाली बस बस में सवार होकर हिसार आ रही थी। बरवाला चुंगी पर बस से उतरते समय वह अचानक गिर गई और बस का पिछला टायर उसके ऊपर चढ़ गया। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गई थी। इसके बाद उसे शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां 11 दिन तक जिंदगी और मौत से जूझने के बाद उसने दम तोड़ दिया।

बस मालिक ने आर्थिक सहायता का दिया था भरोसा

इस घटना के विरोध में गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के अनेक छात्र रोडवेज परिसर पहुंचे थे और नारेबाजी करते हुए मुख्य गेट बंद कर दिया था। बाद में रोडवेज व पुलिस अधिकारियों ने उन्हें समझाया कि बस रोडवेज की नहीं बल्कि लीज की थी। बाद में यातायात प्रबंधक प्रीतम कुमार ने रोहतक डिपो अधिकारियों के माध्यम से लीज बस के मालिक से बात करके विद्यार्थियों की छात्रा के इलाज के लिए आर्थिक सहायता देने की मांग रखी, जिस पर लीज बस के मालिक ने छात्रा के इलाज के लिए आर्थिक सहायता देने का आश्वासन दिया था।

एक पन्ने की वित्तीय योजना से बिखरे पैसे को दें सही दिशा

▶▶ कमाई आते ही तय करें किस हिस्से से खर्च, सुरक्षा, कर्ज और निवेश ▶▶ छोटी लेकिन स्पष्ट योजना लंबे समय में बना सकती है बड़ा कोष ▶▶ बीमा, आपातकालीन निधि, कर्ज और निवेश का तय करें क्रम ▶▶ हर महीने आय आते ही पैसा अपने लक्ष्य के अनुसार ही करें आवंटित

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

कमाई अच्छी होने के बावजूद कई लोगों की आर्थिक स्थिति इसलिए मजबूत नहीं हो पाती, क्योंकि उनका पैसा अलग-अलग जगह बिखरा रहता है। किसी बैंक खाते में कुछ रकम, कहीं बीमा पॉलिसी, क्रेडिट कार्ड का बकाया, किसी म्यूचुअल फंड में छोटी-सी राशि और थोड़ी बचत घर में... लेकिन यह स्पष्ट नहीं होता कि कुल संपत्ति कितनी है और किस लक्ष्य के लिए कितना पैसा जमा किया जा रहा है। ऐसी स्थिति में जरूरत निवेश के नए विकल्प तलाशने की नहीं, बल्कि पहले से मौजूद पैसों को व्यवस्थित करने की होती है। इसके लिए जरूरी नहीं कि कोई जटिल वित्तीय योजना बनाई जाए। एक पन्ने पर आय, खर्च, कर्ज, सुरक्षा और निवेश की पूरी तस्वीर लिखना भी काफी मददगार हो सकता है। इस योजना का मकसद यह तय करना है कि कमाई खाते में आते ही पैसा कहां और कितना जाएगा, ताकि खर्च के बाद जो बचे उसी से निवेश करने की आदत न बने।

पहला कदम : आर्थिक सुरक्षा मजबूत करें

निवेश शुरू करने से पहले वित्तीय सुरक्षा की नींव मजबूत करना जरूरी है। यदि परिवार में आपकी आय पर दूसरे सदस्य निर्भर हैं तो पर्याप्त स्वास्थ्य बीमा और जरूरत के अनुसार टर्म जीवन बीमा पर ध्यान देना चाहिए। बीमा का उद्देश्य निवेश से कमाई करना नहीं, बल्कि अचानक आने वाले बड़े आर्थिक संकट से परिवार को बचाना है। इसी तरह कम से कम तीन से छह महीने के जरूरी घरेलू खर्च के बराबर रकम आपातकालीन निधि के रूप में अलग रखना उपयोगी है। इसे ऐसे साधन में रखा जाना चाहिए, जहां जरूरत पड़ने पर रकम आसानी से उपलब्ध हो। इस पैसे को शेयर बाजार में लगाकर ज्यादा रिटर्न कमाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए।

दूसरा कदम : महंगे कर्ज से पहले छुटकारा

अगर क्रेडिट कार्ड, व्यक्तिगत ऋण या किसी तत्काल ऋण पर बहुत ज्यादा ब्याज दिया जा रहा है तो निवेश बढ़ाने से पहले ऐसे कर्ज को खत्म करना प्राथमिकता होनी चाहिए। मसलन, क्रेडिट कार्ड का बकाया लंबे समय तक छोड़ने पर ब्याज तेजी से बढ़ सकता है। ऐसे कर्ज के रहते बाजार में निवेश करके ज्यादा रिटर्न कमाने की उम्मीद करना जोखिम भरा हो सकता है। इसलिए सभी कर्ज की सूची बनाएं। सामने बकाया रकम, ब्याज दर और हर महीने की किस्त लिखें। ज्यादा ब्याज वाले असुरक्षित कर्ज को पहले चुकाने की कोशिश करें।



हर महीने नहीं, समय समय पर करें समीक्षा

वित्तीय योजना का मतलब रोज शेयर बाजार देखना या बार-बार निवेश बदलना नहीं है। बाजार में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। लंबी अवधि के निवेशक के लिए अनुशासन और निरंतरता ज्यादा महत्वपूर्ण है। हां, आय बढ़ने, नौकरी बदलने, शादी, बच्चे होने, घर खरीदने या बड़े कर्ज जैसी परिस्थितियों में योजना की समीक्षा जरूर करनी चाहिए।

तीसरा कदम : लक्ष्यों के हिसाब से करें निवेश

सारी बचत को एक ही जगह लगाना सही रणनीति नहीं है। पहले यह तय करें कि पैसा कब चाहिए। पांच साल से कम अवधि वाले लक्ष्यों के लिए बहुत ज्यादा जोखिम वाले निवेश से बचना बेहतर है। वाहन खरीदना, घर की मरम्मत, बच्चों की निकट अवधि की फीस या अन्य जरूरी खर्च इसके उदाहरण हैं। ऐसे लक्ष्यों के लिए सुरक्षित बचत विकल्पों पर विचार किया जा सकता है। वहीं 10 साल या उससे अधिक अवधि वाले लक्ष्यों के लिए बाजार आधारित निवेश पर विचार किया जा सकता है। सेवानिवृत्ति, बच्चों की उच्च शिक्षा या लंबे समय में संपत्ति बनाने जैसे लक्ष्यों के लिए इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड या व्यापक बाजार सूचकांक आधारित फंड विकल्प हो सकते हैं। हालांकि निवेश का चुनाव व्यक्ति की जोखिम क्षमता, उम्र, आय और लक्ष्य के अनुसार होना चाहिए।

चौथा कदम : निवेश को अपने आप चलने दें

वित्तीय योजना तभी सफल होती है जब उसे नियमित रूप से लागू किया जाए। इसके लिए एसआईपी जैसी स्वचालित व्यवस्था उपयोगी हो सकती है। वेतन या आय खाते में आते ही निर्धारित रकम निवेश के लिए अलग हो जाए तो महीने के अंत में बची रकम निवेश करने की जरूरत नहीं पड़ती। मान लीजिए किसी व्यक्ति की मासिक आय 60 हजार रुपये है। वह जरूरी खर्च और सुरक्षा की रकम तय करने के बाद 10 हजार रुपये लंबे समय के लक्ष्य के लिए निवेश करना चाहता है। यदि हर महीने एक निश्चित तारीख को यह रकम स्वतः निवेश हो जाए तो बाजार की रोजाना की खबरों या मूड के आधार पर निवेश रोकने की संभावना कम होगी।

5वां कदम : लिखें पूरी तस्वीर

- मासिक आय : कितनी रकम हाथ में आती है।
- जरूरी खर्च : घर चलाने में कितना खर्च होता है।
- कर्ज : कितना बकाया है और ब्याज।
- आपातकालीन निधि : कितनी रकम अलग रखी।
- बीमा : स्वास्थ्य और जीवन बीमा कितना है।
- निवेश : हर महीने कितनी रकम और किस लक्ष्य के लिए निवेश होगी।
- लक्ष्य : अगले 3, 5, 10 और 20 साल में किन जरूरतों के लिए पैसा चाहिए।
- एक पन्ने से व्यक्ति को हर माह यह समझने में आसानी होगी कि उसकी आय कहां जा रही है व भविष्य के लिए कितना पैसा तैयार हो रहा है।

पुराने खातों और निवेश की भी करें सफाई

कई लोगों के पास जरूरत से ज्यादा बैंक खाते, क्रेडिट कार्ड और छोटे-छोटे निवेश होते हैं। समय-समय पर इनकी समीक्षा करनी चाहिए। जिन खातों या कार्ड का उपयोग नहीं हो रहा है, उनकी जरूरत और शुल्क की जांच करें। अलग-अलग निवेशों की सूची बनाकर देखें कि कहीं एक ही तरह के कई उत्पाद तो नहीं हैं। साथ ही बैंक खाते, बीमा, म्यूचुअल फंड, शेयर और अन्य वित्तीय निवेशों में नॉमिनी की जानकारी अपडेट रखें। परिवार में किसी अनहोनी की स्थिति में यह छोटी-सी सावधानी बहुत महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

पैसा बचाना ही पर्याप्त नहीं, उसे सही दिशा देना जरूरी

एक अच्छी वित्तीय योजना वह नहीं जिसमें सबसे ज्यादा निवेश उत्पाद हों, बल्कि वह है जिसमें हर रुपये की भूमिका स्पष्ट हो। पहले सुरक्षा, फिर महंगे कर्ज से मुक्ति और उसके बाद लक्ष्य आधारित निवेश—यह सरल क्रम आर्थिक अव्यवस्था को व्यवस्थित करने में मदद कर सकता है। योजना एक बार बनाकर भूलने के बजाय साल में कम से कम एक बार उसकी समीक्षा करें। धीरे-धीरे आय बढ़ने के साथ निवेश की रकम बढ़ाते रहें। यही अनुशासन लंबे समय में छोटी बचत को बड़ा वित्तीय सहारा बना सकता है।

30 की उम्र में निवेश शुरू कर रहे हैं तो पहले साल ऐसे बनाएं मजबूत आधार

- पहले आपातकालीन निधि और महंगे कर्ज से निपटें
- लक्ष्य के हिसाब से बचत और निवेश करना शुरू करें
- लंबी अवधि के लिए एसआईपी और सूचकांक फंड बेहतर विकल्प

जानकारी
बिजनेस डेस्क

अगर आपकी उम्र 30 साल है और आपने अभी तक निवेश शुरू नहीं किया है तो घबराने की जरूरत नहीं है। इस उम्र में आपके पास लंबी अवधि का फायदा उठाने के लिए पर्याप्त समय है। हालांकि निवेश की शुरुआत किसी खास शेयर या म्यूचुअल फंड को चुनने से नहीं, बल्कि अपनी आर्थिक स्थिति समझने से होनी चाहिए। पहले साल का लक्ष्य ज्यादा रिटर्न कमाना नहीं, बल्कि ऐसी वित्तीय व्यवस्था तैयार करना होना चाहिए जिसे आने वाले वर्षों में आसानी से जारी रखा जा सके। निवेश शुरू करने से पहले तीन सवालों के जवाब तलाशें-पैसा किस लक्ष्य के लिए चाहिए, कब चाहिए और बाजार में गिरावट आने पर आप कितना जोखिम उठा सकते हैं। इसके आधार पर ही निवेश की दिशा तय होगी।

सबसे पहले बनाएं आपातकालीन निधि

यदि आपके पास बचत नहीं है और क्रेडिट कार्ड या व्यक्तिगत ऋण जैसा महंगा कर्ज चल रहा है तो पहले साल का पूरा ध्यान निवेश बढ़ाने के बजाय वित्तीय आधार मजबूत करने पर होना चाहिए। कम से कम तीन से छह महीने के जरूरी खर्च के बराबर रकम आपातकालीन निधि में रखना उपयोगी है। नौकरी जाने, बीमारी, अचानक बड़े खर्च या किसी अन्य आपात स्थिति में यही रकम काम आएगी। इसे ऐसे विकल्प में रखना चाहिए जहां जरूरत पड़ने पर पैसा आसानी से निकाला जा सके। आपातकालीन निधि बनने के बाद ही लंबी अवधि के निवेश को धीरे-धीरे बढ़ाना चाहिए।



महंगे कर्ज को निवेश से पहले खत्म करें

क्रेडिट कार्ड का बकाया या ज्यादा ब्याज वाला व्यक्तिगत ऋण आपकी आर्थिक प्रगति को धीमा कर सकता है। इसलिए सभी कर्ज की सूची बनाएं और ब्याज दर देखें। ज्यादा ब्याज वाले कर्ज को पहले चुकाना बेहतर है। कर्ज खत्म होने के बाद उसकी मासिक किस्त के बराबर रकम को निवेश में लगाया जा सकता है। इस तरह कर्ज चुकाने की आदत सीधे निवेश की आदत में बदल सकती है।

हर लक्ष्य की तय करें समय सीमा

निवेश का तरीका इस बात पर निर्भर करता है कि पैसा कब चाहिए। तीन साल के भीतर जरूरत पड़ने वाली रकम को शेयर बाजार जैसे उतार-चढ़ाव वाले साधनों में लगाने से बचना चाहिए। कार खरीदना, शादी, घर की शुरुआती रकम या निकट अवधि की शिक्षा जैसे लक्ष्य इसके उदाहरण हैं। ऐसे लक्ष्यों के लिए बैंक सावधि जमा, आवर्ती जमा या अन्य अपेक्षाकृत सुरक्षित विकल्पों पर विचार किया जा सकता है। दूसरी ओर, यदि लक्ष्य 10, 15 या 20 साल दूर है तो बाजार आधारित निवेश पर विचार किया जा सकता है। सेवानिवृत्ति या बच्चे की उच्च शिक्षा जैसे लंबे लक्ष्यों में महंगाई को ध्यान में रखना जरूरी है।

शुरुआती निवेशक के लिए सूचकांक फंड सरल विकल्प

लंबी अवधि के निवेश की शुरुआत करने वाले निवेशक के लिए व्यापक बाजार सूचकांक पर आधारित म्यूचुअल फंड एक सरल विकल्प हो सकता है। ऐसे फंड किसी प्रमुख सूचकांक की कंपनियों में निवेश करते हैं। इससे एक ही कंपनी पर निर्भरता कम होती है और निवेशक को अलग-अलग शेयर चुनने की जरूरत नहीं पड़ती। हालांकि इक्विटी आधारित निवेश में बाजार जोखिम रहता है। इसलिए इसका इस्तेमाल उन्हीं लक्ष्यों के लिए करना चाहिए जिनकी समय सीमा लंबी हो।

उदाहरण से समझें

मान लीजिए रोहन की उम्र 30 साल है और उसे हर महीने कर कटौती के बाद 80 हजार रुपये मिलते हैं। उसके पास पहले से आपातकालीन निधि है। वह दो साल बाद कार खरीदना चाहता है और साथ ही सेवानिवृत्ति के लिए भी निवेश शुरू करना चाहता है। ऐसी स्थिति में वह अपनी क्षमता के अनुसार, उदाहरण के तौर पर, हर महीने 15 हजार रुपये कार के लक्ष्य के लिए सुरक्षित बचत में और 15 हजार रुपये लंबी अवधि के लिए इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड की एसआईपी में लगा सकता है। इस तरह दोनों लक्ष्यों का पैसा अलग रहेगा। कार के लिए रखा पैसा बाजार की गिरावट से प्रभावित नहीं होगा और सेवानिवृत्ति के लिए किया गया निवेश लंबे समय तक बढ़ने का अवसर पाएगा।

जोखिम क्षमता भी समझें

सिर्फ यह देखकर निवेश न करें कि कोई फंड या शेयर पिछले साल कितना बढ़ा। पहले यह समझें कि बाजार में 20-30 प्रतिशत गिरावट आने पर आपकी प्रतिक्रिया क्या होगी। मान लीजिए आपने 10 हजार रुपये निवेश किए और कुछ समय बाद उसकी कीमत घटकर 8 हजार रुपये रह गई। यदि इससे आप घबरा कर निवेश बेच देंगे तो इक्विटी निवेश आपके लिए कठिन हो सकता है। लेकिन अगर आप उतार-चढ़ाव को स्वीकार कर लंबे समय तक निवेश बनाए रख सकते हैं तो आपकी जोखिम क्षमता ज्यादा हो सकती है। यानी निवेश का चुनाव केवल रिटर्न देखकर नहीं, बल्कि लक्ष्य और जोखिम क्षमता देखकर करें।

बचत को हर माह की आदत बनाएं

- सबसे कम कमाई वाले महीने को आधार बनाएं
- वेतन आते ही बचत अलग खाते में डालें
- पहले तैयार करें अपने लिए आपातकालीन कोष
- लंबे समय में मजबूत आर्थिक सुरक्षा तैयार

योजना
बिजनेस डेस्क

कई लोगों की कमाई हर महीने एक जैसी नहीं होती। कभी बोनस मिल जाता है तो कभी अतिरिक्त आमदनी हो जाती है। ऐसे अच्छे महीने में बचत भी बढ़ जाती है, लेकिन अचानक आया बड़ा खर्च या कम आय वाला महीना पूरी बचत खत्म कर देता है। नतीजा यह होता है कि कई साल कमाने के बाद भी व्यक्ति के पास आपात स्थिति के लिए पर्याप्त रकम नहीं होती। समस्या हमेशा कम कमाई नहीं होती, बल्कि नियमित बचत के लिए तय व्यवस्था का अभाव भी इसका बड़ा कारण है। वित्तीय मजबूती के लिए बचत को महीने के अंत में बची रकम पर निर्भर करने के बजाय इसे कमाई का पहला काम बनाना जरूरी है। यानी पैसा आते ही बचत की रकम अलग और उसके बाद खर्च। यही छोटी आदत लंबे समय में मजबूत आर्थिक सुरक्षा तैयार कर सकती है।

पहले समझें, बचत क्यों नहीं हो रही

बचत शुरू करने से पहले यह पता लगाना जरूरी है कि पैसा बच क्यों नहीं रहा। कुछ लोगों की आय हर महीने बदलती है। स्वतंत्र काम करने वाले, कमीशन पर काम करने वाले या कारोबार से जुड़े लोगों के लिए एक महीने की आय दूसरे महीने से काफी अलग हो सकती है। दूसरी समस्या यह है कि बचत का इरादा तो होता है, लेकिन हर महीने कोई न कोई खर्च उसे पीछे धकेल देता है। कई लोग सोचते हैं कि महीने के अंत में जो रकम बचेगी, उसे बचा लेंगे। व्यवहार में अक्सर महीने के अंत तक बहुत कम रकम बचती है। इसलिए बचत के लिए इच्छा नहीं, व्यवस्था बनाना जरूरी है।

3 माह की आय से तय करें अपना बजट

सबसे पहले पिछले तीन महीनों की कुल आय देखें और उसका औसत निकालें। लेकिन यदि आय में काफी उतार-चढ़ाव रहता है तो औसत आय के बजाय सबसे कम आय वाले महीने को अपना बजट आधार बनाना ज्यादा सुरक्षित हो सकता है। उदाहरण के लिए किसी व्यक्ति को तीन महीनों में 40 हजार, 48 हजार और 35 हजार रुपये मिले। औसत आय करीब 41 हजार रुपये बैठती है, लेकिन बजट 35 हजार रुपये की सबसे कम आय को आधार मानकर बनाया जा सकता है। इससे कम आय वाले महीने में भी जरूरी खर्च पूरे करने में परेशानी नहीं होगी। अब इसमें से किराया, राशन, बिजली-पानी, आने-जाने और अन्य जरूरी खर्च अलग करें।



वेतन आते ही पहले बचत करें

नियमित वेतन पाने वालों के लिए सबसे आसान तरीका है—पहले खुद को भुगतान करें। मान लीजिए आपकी मासिक आय 40 हजार रुपये है और आप हर महीने 5 हजार रुपये बचाना चाहते हैं। वेतन खाते में आते ही 5 हजार रुपये दूसरे खाते में स्वतः स्थानांतरित करने की व्यवस्था कर दें। इसके बाद बचे पैसे से महीने का खर्च चलाएं। इसका फायदा यह है कि बचत की रकम खर्च करने वाले खाते में पड़ी ही नहीं रहेगी। बचत को इच्छाशक्ति के भरोसे रखने के बजाय स्वचालित व्यवस्था का हिस्सा बनाया जा सकता है।

आय तय नहीं तो प्रतिशत के हिसाब से बचाएं

यदि कमाई हर महीने अलग है तो निश्चित रकम बचाने के बजाय आय का एक तय प्रतिशत अलग करना बेहतर हो सकता है। उदाहरण के लिए हर भुगतान का 15 से 20 प्रतिशत बचत खाते में डालने का नियम बनाया जा सकता है। मान लीजिए किसी स्वतंत्र पेशेवर की मासिक आय 25 हजार से 60 हजार रुपये के बीच रहती है। वह हर भुगतान का 18 प्रतिशत बचत के लिए अलग करता है। इस तरह कम आय वाले महीने में बचत की रकम कम होगी और ज्यादा कमाई होने पर बचत अपने आप बढ़ जाएगी।

बचत के लिए अलग खाता रखें

बचत और रोजमर्रा के खर्च का पैसा एक ही खाते में रखने से अनजाने में बचत खर्च होने की संभावना रहती है। इसलिए बचत के लिए अलग बैंक खाता रखना उपयोगी हो सकता है। संभव हो तो इसे रोजमर्रा के खाते से अलग बैंक में रखें। बोनस, कर वापसी या अचानक मिली अतिरिक्त रकम का एक हिस्सा सीधे इसी खाते में डाल सकते हैं।

पहले आपातकालीन कोष, बाद में ज्यादा रिटर्न

बचत का पहला उद्देश्य हर बार ज्यादा रिटर्न कमाना नहीं होना चाहिए। पहले ऐसा आपातकालीन कोष तैयार करें जिससे अचानक आने वाले खर्च के समय निवेश या कर्ज पर निर्भरता कम हो। नियमित वेतन वालों के लिए तीन से छह महीने के जरूरी खर्च के बराबर आपातकालीन निधि एक अच्छा आधार हो सकती है। वहीं जिनकी आय में ज्यादा उतार-चढ़ाव रहता है, वे छह से नौ महीने के जरूरी खर्च के बराबर रकम रखने पर विचार कर सकते हैं। यह रकम ऐसे विकल्प में रखी जानी चाहिए जहां जरूरत पड़ने पर पैसा आसानी से उपलब्ध हो। आपातकालीन निधि का पहला उद्देश्य सुरक्षा और तरलता है, अधिकतम रिटर्न नहीं।

योजना बनाकर भूल जाना भी ठीक नहीं

बचत की योजना बनाकर उसे भूल जाना भी सही नहीं है। महीने में केवल 15 मिनट निकालकर देखें कि आय कितनी रही, जरूरी खर्च कितना हुआ और तय बचत लक्ष्य पूरा हुआ या नहीं। यदि किराया बढ़ गया, परिवार में नया खर्च जुड़ गया या आय में बदलाव हुआ है तो बचत लक्ष्य में भी बदलाव किया जा सकता है। महत्वपूर्ण यह है कि बचत पूरी तरह बंद न हो।

इन पांच गलतियों से बचें

- महीने के अंत में बचतः तब तक पैसा खत्म हो सकता है।
- एक ही खाते में बचत और खर्चः बचत अनजाने में खर्च हो सकती है।
- सिर्फ अच्छे महीने में बचतः इससे नियमित आदत नहीं बनती।
- बिना बजट तय किए रकम निर्धारित करनाः लक्ष्य आपकी वास्तविक आय से मेल खाना चाहिए।
- योजना की समीक्षा न करनाः आय और खर्च बदलने के साथ बजट भी बदलना चाहिए।

निवेश से पहले बचत की मजबूत नींव जरूरी

शेयर, म्यूचुअल फंड या किसी अन्य निवेश में पैसा लगाने से पहले नियमित बचत की आदत और आपातकालीन निधि तैयार करना जरूरी है। कम रकम से शुरुआत करना कोई समस्या नहीं है। महीने में 500 रुपये भी नियमित रूप से बचाना उस महीने हजारों रुपये बचाकर अगले महीने फिर शून्य पर पहुंचने से बेहतर है।

अलर्ट 3 से 10 साल की अवधि में निवेश करने का बेहतीन विकल्प, लक्ष्य के हिसाब से तय होगी मासिक किस्त, तैयार होगा फंड

बच्चे के नाम हर महीने बचत, तैयार होगा एक लाख का फंड एसबीआई की 'हर घर लखपति' आरडी में 6.7% सालाना ब्याज

समझदारी
बिजनेस डेस्क

बच्चे की पढ़ाई, उच्च शिक्षा या भविष्य की किसी बड़ी जरूरत के लिए समय रहते बचत शुरू करना समझदारी है। ऐसे में अगर आप बाजार के उतार-चढ़ाव से अलग रहकर हर महीने एक निश्चित रकम जमा करना चाहते हैं, तो भारतीय स्टेट बैंक यानी एसबीआई की 'हर घर लखपति' योजना एक विकल्प हो सकती है। यह कोई अलग निवेश उत्पाद नहीं, बल्कि रिकरिंग डिपॉजिट यानी आरडी का एक रूप है। इसमें निवेशक हर महीने एक तय रकम जमा करता है और तय अवधि पूरी होने पर जमा रकम के साथ ब्याज मिलता है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार इस योजना में फिलहाल 6.7% सालाना ब्याज मिल रहा है। निवेश की अवधि 3 साल से 10 साल तक रखी जा सकती है। यानी अभिभावक बच्चे की उम्र और भविष्य के लक्ष्य के हिसाब से अवधि चुन सकते हैं।

क्या है 'हर घर लखपति' योजना?

नाम से लग सकता है कि यह कोई अलग सरकारी योजना है, लेकिन वास्तव में यह एसबीआई की आरडी आधारित सुविधा है। इसका उद्देश्य नियमित बचत के जरिए एक तय लक्ष्य राशि तैयार करना है। इसे सामान्य आरडी की तरह समझ सकते हैं, जिसमें हर महीने एक निश्चित राशि जमा करनी होती है। मसलन, अगर अभिभावक बच्चे के लिए हर महीने थोड़ी रकम अलग रखते हैं तो कुछ वर्षों में यह रकम ब्याज के साथ एक बड़े फंड में बदल सकती है।

3 से 10 साल तक निवेश

इस योजना में 3 साल से 10 साल तक की अवधि चुनी जा सकती है। अवधि का चुनाव बच्चे की जरूरत के हिसाब से करना महत्वपूर्ण है। यदि बच्चे की उच्च शिक्षा के लिए पांच साल बाद रकम चाहिए तो पांच साल की अवधि वाला लक्ष्य बनाया जा सकता है। अगर जरूरत 10 साल बाद है तो लंबी अवधि का विकल्प चुना जा सकता है। हालांकि निवेश की अवधि तय करते समय यह भी देखना चाहिए कि बीच में पैसों की जरूरत पड़ सकती है या नहीं। समय से पहले आरडी बंद करने पर बैंक के नियम लागू हो सकते हैं।



बच्चे के नाम पर खाता कैसे खुलेगा?

इस योजना में कोई व्यक्ति सिंगल या जॉइंट अकाउंट खोल सकता है। 10 साल से अधिक उम्र के बच्चे के नाम पर भी खाता खोला जा सकता है, लेकिन इसके लिए बच्चे का ठीक से हस्ताक्षर करने में सक्षम होना जरूरी है। यदि बच्चा हस्ताक्षर करने में सक्षम नहीं है तो उसके नाम पर खाता माता-पिता या अभिभावक के साथ खोला जा सकता है। यानी बच्चे की उम्र और उसकी हस्ताक्षर करने की क्षमता के आधार पर खाते का संचालन तय होगा।

1 लाख रुपये का लक्ष्य कैसे पूरा होगा?

अगर आपका लक्ष्य बच्चे के लिए 5 साल में 1 लाख रुपये का फंड तैयार करना है तो उपलब्ध गणना के अनुसार हर महीने करीब 1,420 रुपये जमा करने होंगे। इसी तरह यदि आप 10 साल में 1 लाख रुपये का लक्ष्य रखते हैं तो मासिक जमा करीब 610 रुपये होगी। इससे यह समझना आसान है कि लंबी अवधि चुनने पर मासिक बचत का बोझ कम हो सकता है। हालांकि इन आंकड़ों को उदाहरण के रूप में देखना चाहिए। वास्तविक मासिक किस्त बैंक की लागू ब्याज दर, आरडी की शर्तों और गणना पद्धति के अनुसार बदल सकती है।

लक्ष्य बढ़ाएं तो किस्त भी बढ़ेगी

इस योजना में लक्ष्य केवल 1 लाख रुपये तक सीमित नहीं है। निवेशक अपनी जरूरत के अनुसार 2 लाख, 3 लाख, 4 लाख रुपये या उससे अधिक का लक्ष्य भी निर्धारित कर सकता है। लक्ष्य राशि बढ़ने के साथ मासिक किस्त भी बढ़ेगी। मसलन, जिस परिवार को बच्चे की उच्च शिक्षा के लिए 4 लाख रुपये का फंड बनाना है, वह छोटी अवधि के बजाय लंबी अवधि चुनकर मासिक निवेश का बोझ कम रखने की कोशिश कर सकता है।

छोटी बचत से बड़ा लक्ष्य

इस योजना का सबसे बड़ा फायदा अनुशासित बचत है। अक्सर परिवार एकमुश्त रकम बचाने की योजना तो बनाते हैं, लेकिन नियमित रूप से पैसा अलग नहीं रख पाते। आरडी में हर महीने तय रकम जमा करने की व्यवस्था होने के कारण बचत की आदत बन सकती है। मान लीजिए परिवार हर महीने करीब 600 रुपये अलग रखता है। यह रकम रोजाना के खर्च में बहुत बड़ी नहीं लगती, लेकिन लंबे समय तक लगातार जमा होने पर ब्याज के साथ एक निश्चित फंड तैयार कर सकती है।

सिर्फ ब्याज देखकर फैसला न करें

हालांकि 6.7% ब्याज आकर्षक लग सकता है, लेकिन निवेश का फैसला केवल ब्याज दर देखकर नहीं करना चाहिए। अभिभावकों को यह भी देखना चाहिए कि बच्चे का लक्ष्य कितने साल बाद है, कितनी रकम की जरूरत होगी और महंगाई के कारण भविष्य में उस लक्ष्य की लागत कितनी बढ़ सकती है। मसलन, आज उच्च शिक्षा पर 5 लाख रुपये खर्च हो रहे हैं तो 8-10 साल बाद यही खर्च काफी अधिक हो सकता है। इसलिए लंबे समय के लक्ष्य के लिए केवल आरडी पर निर्भर रहने के बजाय अन्य निवेश विकल्पों से भी इसकी तुलना करनी चाहिए।

टैक्स और समय से पहले निकासी के नियम भी समझें

आरडी में मिलने वाला ब्याज कर नियमों के दायरे में आ सकता है। इसलिए बड़ी रकम जमा करने से पहले अपनी कर स्थिति के अनुसार जानकारी लेना जरूरी है। इसी तरह अगर बीच में पैसे की जरूरत पड़ती है तो समय से पहले आरडी बंद करने या आंशिक निकासी से जुड़े बैंक के नियम लागू हो सकते हैं। निवेश शुरू करने से पहले एसबीआई की मौजूदा ब्याज दर, आरडी की शर्तें, नाबालिग के खाते के नियम और समय से पहले खाता बंद करने के प्रावधान जरूर जांच लें।

ऐसे समझें योजना

- योजनाः एसबीआई 'हर घर लखपति'
- प्रकारः रिकरिंग डिपॉजिट (आरडी)
- ब्याज दर 6.7% सालाना
- अवधि 3 से 10 साल
- 5 साल में 1 लाख का उदाहरण करीब 1,420 रुपये मासिक
- 10 साल में 1 लाख का उदाहरण करीब 610 रुपये मासिक
- लक्ष्य 1 लाख से अधिक भी
- खाता सिंगल या जॉइंट
- बच्चे के नाम खाता 10 साल से अधिक उम्र में, शर्तों के अनुसार
- कम उम्र/हस्ताक्षर में असमर्थ बच्चा माता-पिता/अभिभावक के साथ
- ब्याज दर और बैंक के नियम समय के साथ बदल सकते हैं।

खबर संक्षेप

चेयरमैन ने पीड़िता को दिया पांच लाख का चेक

नारनौंद। सरकार किसानों की सुरक्षा के लिए अनेक प्रकार की योजनाएं लागू करके उनको फायदा पहुंचाने का काम कर रही हैं ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी न हो सके। बास मार्केट कमेटी की चेयरमैन शमशेर मोर ने जानकारी देते हुए बताया कि सरकार द्वारा चलाई जा रही मुख्यमंत्री किसान एवं खेतीहर मजदूर जीवन सुरक्षा योजना के तहत गांव बड़छप्पर निवासी स्वर्गीय गंगा दत्त की पत्नी सुमन को पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता देकर मदद की गई। जो भी किसान खेत में काम करते समय दुर्घटना ग्रस्त हो जाए तो सरकार द्वारा उसकी मदद की जाती है।

विश्वकर्मा दिवस पर भव्य कार्यक्रम करेगी यूनियन

हिसार। भवन निर्माण कामगार यूनियन संबंधित सीटू की तहसील कमेटी की बैठक तहसील कार्यालय में हुई। बैठक की अध्यक्षता राधेश्याम लितानी ने की, जबकि मंच का संचालन राजबीर पाबड़ा ने किया। जिला कमेटी के सचिव मनोज सोनी ने कहा कि भवन निर्माण कामगार यूनियन पिछले लंबे समय से मजदूरों की जायज मांगों को लेकर निरंतर संघर्षरत है। तहसील प्रधान राधेश्याम लितानी ने बताया कि तहसील कमेटी उकलाना द्वारा आगामी 9 नवंबर को विश्वकर्मा दिवस के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

आईटीआई हांसी में 12 को लगेगा रोजगार मेला

हांसी। युवाओं को अप्रेंटिसशिप एवं रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान हांसी में 12 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नेशनल अप्रेंटिसशिप एवं रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा। प्रधानाचार्य भूप सिंह ने बताया कि मेले में विभिन्न प्रतिष्ठित औद्योगिक इकाइयां भाग लेंगी। इन इकाइयों के प्रतिनिधियों द्वारा 10वीं, 12वीं, आईटीआई उत्तीर्ण तथा डिप्लोमा धारक युवाओं का साक्षात्कार लिया जाएगा।

पहली बार सजा मेगा बिजनेस कार्निवल

हिसार। शहर में व्यापार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बीएनआई सदस्यों की पहल पर मेगा बिजनेस कार्निवल एचआर 20-26 का आयोजन किया गया। मिडटाउन ग्रैंड में आयोजित इस कार्यक्रम में 40 उद्यमियों ने अपने-अपने व्यवसायों के साथ भाग लिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि हिसार की विधायक सावित्री जिंदल रहीं। सावित्री जिंदल ने कहा कि हिसार व्यापार और उद्योग की दृष्टि से तेजी से आगे बढ़ रहा है। शहर में कारोबार की संभावनाएं लगातार बढ़ रही हैं।

27 से 31 तक होगा जिला स्तरीय बाल महोत्सव

हांसी। जिला बाल कल्याण परिषद द्वारा बच्चों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने का मंच प्रदान करने के उद्देश्य से 27 से 31 अक्टूबर तक प्रथम जिला स्तरीय बाल महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इसमें जिले के सरकारी एवं निजी विद्यालयों के विद्यार्थी भाग लेंगे। महोत्सव को लेकर शनिवार को उपायुक्त राहुल नरवाल की अध्यक्षता में शहर के समाजसेवियों एवं सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ बैठक का आयोजन कर महोत्सव की रूपरेखा तथाआर्थिक सहयोग जुटाने के संबंध में चर्चा की गई।

डीएन कॉलेज में एपीजी मीट का समापन

हिसार। दयानन्द महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह के सान्निध्य में भूगोल विभाग एवं पंजाब जियोग्राफर्स एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एवं 26वीं एपीजी मीट का आज समापन हुआ। सम्मेलन का केंद्रीय विषय जन ,प्रकृति और प्रौद्योगिकी विकसित भारत के लिए सतत समाधान रहा। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में देश-विदेश की प्रख्यात शिक्षाविदों, भूगोलवेताओं, शोधकर्ताओं एवं विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

नृसिंह प्रह्लाद रामलीला सभा ने मुलतानी पार्क में किया ध्वजारोहण

दशहरा महोत्सव पर बैंड-बाजों के साथ निकाली शोभा यात्रा

मुलतानी चौक पार्क में बड़े पर्दे पर दिखाई जाएगी रामलीला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार



हिसार। मुलतानी चौक पार्क में रामलीला मंचन के लिए ध्वजारोहण करते अतिथि व रामलीला सभा के सदस्य।

श्रीनृसिंह प्रह्लाद रामलीला दशहरा सभा, मुलतानी चौक के तत्वाधान में मनाए जा रहे 78वें दशहरा महोत्सव के उपलक्ष्य में मुलतानी चौक पार्क में हनुमानजी का ध्वज स्थापित किया गया। यह जानकारी देते हुए सभा के महासचिव ओमप्रकाश असीजा ने बताया कि आर्य बाजार के हनुमान मंदिर से बैंड बाजों व ढोल ढमाकों के साथ सभा के प्रधान सुरेश कक्कड़ के नेतृत्व में शोभा यात्रा निकाली गई जो विभिन्न बाजारों से होते हुए पार्क में पहुंची। शोभा यात्रा में समाज के अनेक गणमान्य लोगों ने शिरकत की। यात्रा के पार्क में पहुंचने पर पंडित देवकीनंदन कपिल द्वारा किए गए मंत्रोच्चारण के साथ ध्वज स्थापित किया गया। इस अवसर पर समाजसेवी जितेन्द्र भारती ने मुख्यातिथि के रुप में भाग लिया। अध्यक्षता समाजसेवी कश्मीर भ्याना ने की। अतिथियों ने पूजा-अर्चना कर ध्वज स्थापित करवाया। सभा की ओर से उनका पगड़ी व शॉल पहनाकर तथा स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

इनकी रही मौजूदगी

इस अवसर पर रामलीला सभा की ओर से किशनलाल बागड़ी, विजय ढल, देसराज मनचंदा, राधेश्याम भाटिया, भीमसैन नारंग, सुरेन्द्र बजाज, रवि महता एडवोकेट, जगदीश गांधी, महेश चौधरी, टीनू आहुजा, हरिकृष्ण खन्ना, राजकुमार बजाज, उरिन्द्र सचदेवा आदि उपस्थित रहे। सभा के प्रधान सुरेश कक्कड़ ने बताया कि मुलतानी चौक पार्क में 11 अक्टूबर से 19 अक्टूबर तक इसी पार्क में सायं 7 बजे से 10 बजे तक बड़े पर्दे पर रामलीला दिखाई जाएगी। इसी कड़ी में 20 अक्टूबर को सायं 5 बजे नई सब्जी मंडी में दशहरा महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा।

इंफोसिस में गुजवि के 17 विद्यार्थियों का चयन, तीन को 11 लाख का पैकेज

- 14 विद्यार्थियों को सात लाख रुपये वार्षिक पैकेज पर मिला डिजिटल स्पेशलिस्ट इंजीनियर का रोल, तीन बने स्पेशलिस्ट प्रोग्रामर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार



हिसार। चयनित विद्यार्थियों के साथ कुलपति प्रो. विजय कुमार, प्लेसमेंट निदेशक डॉ. प्रताप सिंह और सहायक निदेशक डॉ. आदित्य वीर सिंह।

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने प्लेसमेंट के क्षेत्र में एक और उपलब्धि हासिल की है। इंफोसिस ने 2027 बैच के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए आयोजित स्पेशलिस्ट टेक्निकल ऑन-कैंपस रिक्रूटमेंट ड्राइव में 10 विद्यार्थियों का चयन किया है। इनमें तीन विद्यार्थियों को 11 लाख रुपये और सात विद्यार्थियों को सात लाख रुपये वार्षिक पैकेज मिला है। इससे पहले इंफोसिस हैकविदिनफाई 2026 के माध्यम से सात विद्यार्थियों का चयन तीन लाख रुपये वार्षिक पैकेज पर हुआ था। इस तरह इंफोसिस में विश्वविद्यालय के कुल 17 विद्यार्थियों का चयन हो चुका है। इनमें 14 विद्यार्थियों को सात लाख और तीन को 11 लाख रुपये वार्षिक पैकेज मिला है। कुलपति प्रो. विजय कुमार व कुलसचिव डॉ. विजय कुमार ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी है। प्लेसमेंट निदेशक डॉ. प्रताप सिंह ने बताया कि भर्ती प्रक्रिया बेहद प्रतिस्पर्धी और तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण रही। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सहायक निदेशक डॉ. आदित्य वीर सिंह ने बताया कि हालिया भर्ती अभियान में मोहित शर्मा, सुबीर मंडल और लक्ष्य पाठक का चयन 11 लाख रुपये वार्षिक पैकेज पर स्पेशलिस्ट प्रोग्रामर (एसपी) लेवल-1 के लिए हुआ है।

रोटरी क्लब ने स्टेडियम में लगाया वाटर कूलर

हिसार। रोटरी क्लब हिसार की ओर से महावीर स्टेडियम स्थित स्पोर्ट्स ऑफिस में वाटर कूलर लगाया। इस पहल से स्टेडियम में अभ्यास करने वाले खिलाड़ियों, खेल प्रशिक्षकों और कर्मचारियों को ठंडा पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। इस मौके पर जिला खेल अधिकारी नरेश कुमार, रोटरी क्लब के अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, रमेश चंद्र, हैंडबॉल कोच अनूप कसवा, बास्केटबॉल कोच जितेंद्र, बैडमिंटन कोच नरेश मलिक, जिम्नास्टिक कोच विनोद और कुश्ती कोच अनिल मौजूद रहे।

विद्युत नगर में रामलीला का मंचन आज से

हिसार। विद्युत नगर स्थित रामलीला ग्राउंड में श्री बद्री-केदार रामलीला समिति द्वारा वर्ष 1981 से निरंतर आयोजित की जा रही श्री रामलीला का मंचन 11 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक धूमधाम से किया जाएगा। समिति के प्रधान प्रेम सिंह रावत ने बताया कि मंचन प्रतिदिन रात्रि 8:30 बजे से 11:30 बजे तक होगा और तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। दशहरे पर 52 फीट ऊंचे रावण, 50 फीट ऊंचे कुंभकर्ण और 48 फीट ऊंचे मेघनाद के पुतलों का दहन किया जाएगा।

भव्य महाराजा अग्रसेन चौक का भूमि पूजन आज

हिसार। शहर के हृदय स्थल पर महाराजा अग्रसेन चौक का भव्य निर्माण एवं सौंदर्यीकरण का कार्य किया जाएगा। नगर निगम पार्षद एवं हरियाणा प्रदेश वैश्य महासम्मेलन के जिला अध्यक्ष संजय डालमिया ने बताया कि यह सिर्फ एक चौक नहीं, बल्कि हमारे आराध्य महाराजा अग्रसेन जी के त्याग, समानता और समाजवाद के अमर सिद्धांतों का जीवंत स्मारक होगा। रात के समय इसकी भव्य लाइटिंग, आकर्षक प्रतिमा और मनमोहक वास्तुकला हिसार की सुंदरता में चार चांद लगा देगी। इस ऐतिहासिक क्षण को और भी भव्य बनाने के लिए 11 अक्टूबर को भूमि पूजन एवं शिलान्यास समारोह का आयोजन किया गया है।

10 साल की छात्रा रीवा ने नेशनल चैंपियनशिप में जीता गोल्ड मेडल

- हिसार की बेटी ने किया कमाल, रीवा ने जीता गोल्ड मेडल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार



हिसार। अपने प्रमाण-पत्र व ट्रॉफी के साथ विजेता खिलाड़ी रीवा।

बच्चे यदि पूरी लगन से जुट जाएं तो वे असंभव को भी संभव करके दिखा सकते हैं। ऐसा ही 10 साल की रीवा ने कर दिखाया है। मदर टेरेसा स्कूल की 10 वर्षीय छात्रा रीवा ने अपनी कड़ी मेहनत से इतिहास रच दिया है। पांचवीं कक्षा की छात्रा रीवा ने दूसरी ओपन नेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतकर अपने माता-पिता व हरियाणा का नाम रोशन कर दिया है। यामीन ताइक्वांडो इंडिया स्पोर्ट्स द्वारा यह प्रतियोगिता पानीपत के समालखा में आयोजित की गई। रीवा ने सब-जूनियर वर्ग में अपने शानदार प्रदर्शन से सभी प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। दस साल की रीवा ने बताया कि उसका सपना है कि बड़ी होकर वह देश के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीते और आगे चलकर लड़कियों को आत्मरक्षा की ट्रेनिंग देकर उनमें आत्म-सुरक्षा और आत्म-निर्भरता की भावना पैदा करे। इतनी छोटी उम्र में इतनी बड़ी सोच वाकई काबिले तारीफ है।

अग्रसेन के आदर्शों से समाज में समानता की भावना मजबूत होती : बजरंग गर्ग

- अग्रोहा धाम में महाराजा अग्रसेन जयंती पर हवन-पूजन, भंडारा और माल्यार्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार



हिसार। अग्रोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग गर्ग महाराजा अग्रसेन को पुष्पमाला अर्पित करते हुए।

अग्रोहा धाम में महाराजा अग्रसेन जयंती पर हवन-पूजन, भंडारा और माल्यार्पण का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। अग्रोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग गर्ग के नेतृत्व में हुए इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के लोगों ने भाग लिया और महाराजा अग्रसेन को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर बजरंग गर्ग ने कहा कि महाराजा अग्रसेन केवल अग्रवाल समाज ही नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के प्रेरणास्रोत थे। उन्होंने समानता, सामाजिक न्याय, भाईचारे और जनकल्याण का संदेश दिया। महाराजा अग्रसेन ने ऐसी सामाजिक व्यवस्था का मार्ग दिखाया, जिसमें हर व्यक्ति को सम्मान मिले और कोई भी व्यक्ति खुद को असहाय या उपेक्षित महसूस न करे।

इनकी रही मौजूदगी

कार्यक्रम में मनीष गर्ग पंजाब, अमित जैन मध्य प्रदेश, बिहारी लाल मित्तल हनुमानगढ़, अनिल अग्रवाल मुरादाबाद, निर्मल अग्रवाल दिल्ली, नितेश अग्रवाल मोहाली, निशांत अग्रवाल फिरोजाबाद, जगदीश प्रसाद अग्रवाल जयपुर, नीतिश गुप्ता गाजियाबाद, महेश अग्रवाल मथुरा, सीताराम सिंगल, ऋषि राज गर्ग, पवन गर्ग हिसार, महेंद्र गोयल भुना, शुभम गर्ग, केशव बंसल, तरुण गर्ग, ईश्वर सेठ, रवि सिंगला, प्रेम गोयल, विजय मित्तल, संदीप कुमार, हरीश शर्मा, महेंद्र शर्मा और अरुण गोयल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

गायन में लोकेश व नृत्य में पलक प्रथम





नारनौंद। राजकीय महाविद्यालय नारनौंद में विद्यार्थियों की रचनात्मकता एवं छिपी प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पंकज गोयत मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं कॉलेज काउंसिल के सदस्यों द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने नृत्य, गायन, एवं कविता पाठ में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी कला, रचनात्मकता एवं मंचीय कौशल का प्रदर्शन किया। विजेता रहने वाले छात्रों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्रो. जगरूप सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि नृत्य स्पर्धा में पलक प्रथम, स्वीटी व चाहत द्वितीय तथा निशा तृतीय रहीं। वहीं कविता पाठ में पल्लवी ने पहला, सोनू ने दूसरा और स्वीटी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि गायन में लोकेश प्रथम तथा अजनबी द्वितीय स्थान पर रहे।

कॉसमॉस स्कूल में एनईपी पर कार्यशाला प्रमुख प्रावधानों पर दी विस्तृत जानकारी



हिसार। कॉसमॉस पब्लिक स्कूल में शनिवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन एवं इसके विभिन्न प्रावधानों को लेकर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विभिन्न विद्यालयों से आए शिक्षकों और प्रतिभागियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यशाला में नरसिंह चाहार एवं अंजू बजाज ने मुख्य रिसोर्स पर्सन के रूप में शिरकत की। रिसोर्स पर्सन ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के मुख्य उद्देश्यों, प्रमुख प्रावधानों और शिक्षा क्षेत्र में आ रहे क्रांतिकारी बदलावों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विषय को बेहद सरल, रोचक और प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया तथा शिक्षकों की सभी शंकाओं व प्रश्नों का मौके पर ही समाधान किया।



हिसार। क्रांतिमान पार्क में बैठक करते हरियाणा स्टेट पेंशनर्स समाज के सदस्य।

ऑल इंडिया फेडरेशन पेंशनर्स का कुरुक्षेत्र में 30 को अधिवेशन

हिसार। हरियाणा स्टेट पेंशनर्स समाज की कार्यकारिणी की बैठक क्रांतिमान पार्क में जिलाध्यक्ष रोहताश छाछिया की अध्यक्षता में हुई। बैठक में आठवें वेतन आयोग के समक्ष रखी गई पेंशनरों की मांगों और आगामी 30 अक्टूबर से एक नवंबर तक कुरुक्षेत्र में होने वाले ऑल इंडिया फेडरेशन के तीन दिवसीय अधिवेशन को लेकर चर्चा की गई। अधिवेशन में नई कार्यकारिणी का चुनाव भी होगा, जिसमें देशभर से सैकड़ों प्रतिनिधि भाग लेंगे। बैठक में ऑल इंडिया फेडरेशन के आगामी अधिवेशन और नई कार्यकारिणी के चुनाव को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि अगली आवश्यक बैठक 24 अक्टूबर को क्रांतिमान पार्क, में होगी। इस अवसर पर मुख्य संरक्षक राजेंद्र सिंह नैन, चेयरमैन कृष्ण कुमार दुआ, जसवंत कुमार कारेला, गुलाब सिंह खेदड़, किरण दत्त शर्मा, सतबीर सिंह सिवाच, रामप्रताप, रणधीर सिंह बल्हारा, विजेंद्र गोयत और इंद्र सिंह सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

उत्तम नगर में श्रीमद्भागवत कथा का समापन

अरे द्वारपालों कन्हैया से कह दो...

- सच्ची मित्रता अमीरी-गरीबी की सीमाओं से होती है परे, हर परिस्थिति में निभाना चाहिए मित्रता का धर्म : यशोदानंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार



हिसार। : श्रीमद्भागवत कथा के अंतिम दिन हवन में आहुतियां डालते श्रद्धालु।

उत्तम नगर में पितृ पक्ष के उपलक्ष्य में महिला संकीर्तन मंडल के तत्वावधान में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का सातवें और अंतिम दिन हवन व भंडारे के साथ समापन हुआ। कथा वाचक पं. यशोदानंदन महाराज के सानिध्य में हवन किया गया। इस दौरान हरिश नागपाल, नीटा, हिमांशु और कृतिका यजमान के रूप में उपस्थित रहे। यजमानों के साथ श्रद्धालुओं ने भी हवन में आहुतियां डालीं। हवन के बाद आयोजित सत्संग में कथा वाचक ने भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा के चरित्र का वर्णन किया। उन्होंने बताया कि सच्ची मित्रता अमीरी-गरीबी की सीमाओं से परे होती है और मित्रता का धर्म हर परिस्थिति में निभाना चाहिए। इस दौरान झांकी के साथ अरे द्वारपालों कन्हैया से कह दो भजन की प्रस्तुति दी गई।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर बाबा त्रिलोचन सिंह, पूर्व पार्षद मनोहर लाल नांगरू, रमेश सैनी, आर.के. शर्मा, बंसीलाल पठनेजा, अमरलाल कुकड़ेजा, महेंद्र पाल, जयसिंह, आशु, सोनम, सीमा, रेखा, निशा, प्रीति, कविता, जमना शर्मा, अनु, कमलेश, गीता हंस, शकुंतला, वर्षा, मूर्ति देवी, सावित्री और मीना कुमारी सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

न्यूज डायरी

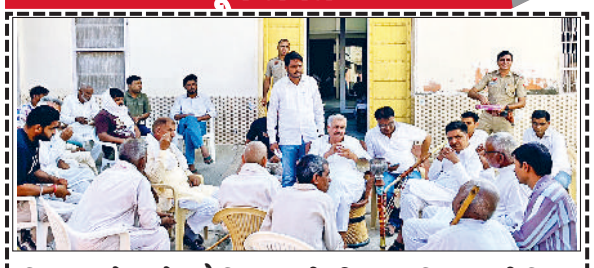

किसानों को जैविक खेती पर किया प्रेरित

हिसार। विधायक रणधीर पनिहार ने अपने निवास स्थान पर पहुंचे लोगों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों के माध्यम से उनके समाधान का आश्वासन दिया। इस दौरान उन्होंने भिवानी रोहिल्ला की पंचायत को खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए 51 हजार रुपये का चेक भी प्रदान किया। उन्होंने कहा कि खेल युवाओं के शारीरिक और मानसिक विकास के साथ-साथ उन्हें अनुशासन, मेहनत और टीम भावना की सीख देते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करने चाहिए। इसके उपरांत विधायक ने कहा कि किसानों को रासायनिक खादों कम करते हुए जैविक एवं प्राकृतिक खेती की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।



यूजीसी एक्ट के विरोध में ब्राह्मण समाज लामबंद

हिसार। जिला ब्राह्मण सभा के प्रांगण में ब्राह्मण समाज की बैठक आयोजित की गई। जिला ब्राह्मण सभा के प्रधान रतन लाल शर्मा की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में समाज के अनेक प्रबुद्ध सदस्यों ने यूजीसी एक्ट के विरोध में अपने विचार रखे। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 12 अक्टूबर को राजपूत धर्मशाला, भिवानी में सवर्ण समाज की ओर से प्रस्तावित आंदोलन में हिसार से सैकड़ों की संख्या में समाज के लोग भाग लेंगे। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि यूजीसी एक्ट से जुड़े प्रावधानों को लेकर समाज में अनेक आशंकाएं हैं। इन विषयों पर सरकार को समाज की चिंताओं को गंभीरता से सुनना चाहिए और संबंधित प्रावधानों पर पुनर्विचार करना चाहिए।

सेवा संकल्प कार्यक्रम सेवा, स्वच्छता और जनकल्याण का पर्याय बना : शंकर गोस्वामी

हिसार। भाजपा सिटी मंडल महामंत्री शंकर गोस्वामी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर शुरू हुआ सेवा संकल्प कार्यक्रम आज सेवा, समर्पण और जनकल्याण का पर्याय बन चुका है। इस अभियान के माध्यम से समाज में सेवा भावना को बढ़ावा देने के साथ-साथ लोगों को सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करने का सराहनीय प्रयास किया जा रहा है। इसके तहत आयोजित विभिन्न सेवा एवं जनहित के कार्यक्रम समाज के हर वर्ग को सकारात्मक संदेश दे रहे हैं। महामंत्री शंकर गोस्वामी ने कहा कि सेवा संकल्प कार्यक्रम का उद्देश्य केवल आयोजन करना नहीं, बल्कि लोगों को समाज और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित करना है।





प्राकृतिक वस्तुओं से बनाई आकर्षक रंगोली

आदमपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत आदमपुर राजकीय बहुतकनीकी की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई की ओर से प्राकृतिक वस्तुओं के उपयोग से आकर्षक रंगोली तैयार की गई। इस अनूठी रंगोली में मिट्टी, चावल, आटा, पत्ते, फूल, चना, गेहूं और विभिन्न प्रकार की दालों का प्रयोग किया गया। छात्राओं ने प्राकृतिक संसाधनों का रचनात्मक उपयोग कर पर्यावरण संरक्षण और भारतीय परंपराओं का सुंदर संदेश दिया। रंगोली तैयार करने में मानसी, कोमल, सपना, ज्योति, पूजा, नीतिका, यशिका और तमन्ना ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर संस्थान के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट आफिसर नरेश घनघस ने कहा कि प्राकृतिक वस्तुओं से रंगोली बनाना विद्यार्थियों की रचनात्मकता को बढ़ावा देने के साथ-साथ पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा करने का सराहनीय प्रयास है। एनएसएस अधिकारी डा. राकेश शर्मा ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी, पर्यावरण संरक्षण और रचनात्मकता की भावना विकसित करना है। इस अवसर पर एनएसएस सह-समन्वयक मनोज गोस्वामी, अंबिका गोदारा, प्रियंका और नीरू आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप



शिविर में 100 से अधिक छात्रों की स्वास्थ्य जांच

हिसार। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस समारोह-2026 के तहत राजकीय महिला महाविद्यालय में मनोविज्ञान विभाग तथा रेड क्रॉस, रेड रिबन, प्राथमिक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य जांच गतिविधि क्लब के संयुक्त तत्वावधान में टाटा 1एमजी लैब के सहयोग से एक दिवसीय स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 100 से अधिक विद्यार्थियों और कर्मचारियों ने भाग लेकर स्वास्थ्य जांच की सुविधाओं का लाभ उठाया। शिविर में रक्त शर्करा, कोलेस्ट्रॉल, यूरिक एसिड और कैल्शियम की निःशुल्क जांच की गई। महाविद्यालय के प्राचार्य सतीश सिंगला ने स्वास्थ्य जागरूकता संबंधी गतिविधियों के महत्व पर बल देते हुए कहा कि शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य एक-दूसरे के पूरक हैं। इस अवसर पर मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. रणधीर सिंह, रेड क्रॉस एवं रेड रिबन क्लब की संयोजक डॉ. रेनू सोढ़ी आदि मौजूद थे।

भाजपा पर पंजाबी समाज की अनदेखी का आरोप

हिसार। सर्वजन समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नंद किशोर चावला ने भाजपा पर पंजाबी समाज की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि समाज के हितों, अधिकारों और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर सरकार को जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीतियों को लेकर पंजाबी समाज के लोगों में नाराजगी है। नंद किशोर चावला ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से जुड़े नियमों पर भी सवाल उठाए और इन्हें पंजाबी समाज के हितों के लिए नुकसानदायक बताया।

भूमि आश्रम में गूंजा बाबा श्याम का गुणगान

हिसार। पितृ पक्ष के समापन अवसर पर हरी नगर संकीर्तन मंडली से जुड़ी महिलाओं ने भूमि आश्रम में मधुर भजनों के माध्यम से बाबा श्याम का गुणगान किया। भक्ति से सराबोर इन भजनों को सुनकर आश्रम में रहने वाले बुजुर्गों के चेहरे खुशी से खिल उठे। कई बुजुर्गों ने अपनी खुशियों का इजहार तालियों, मुस्कान और भावपूर्ण आशीर्वाद के रुप में किया। इन महिलाओं ने बुजुर्गों के साथ समय बिताकर न केवल भक्ति की खुशियां बांटीं, बल्कि उन्हें अपनापन और सम्मान भी दिया।

मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर जागरूकता शिविर

हिसार। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर दिव्यांग एकाधिकार पुनर्वास ट्रस्ट की ओर से सेक्टर-15 स्थित ट्रस्ट कार्यालय में नगर निगम के स्वच्छता कर्मियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य एवं नशामुक्ति जागरूकता शिविर लगाया। कार्यक्रम में ट्रस्ट के कोऑर्डिनेटर राजपाल सिंह, मनोवैज्ञानिक कनुप्रिया, पुष्पलता, कशिश शर्मा एवं गुंजन बैनीवाल तथा विशेष अध्यापक सौरभ कुमार ने भाग लिया। इस दौरान स्वच्छता कर्मियों के साथ मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की।

खुले आसमान के नीचे फसल बर्बाद होने का सता रहा डर

धान खरीद न होने से किसान परेशान दो सप्ताह बाद भी नहीं हुई खरीद शुरू

- 45 हजार क्विंटल धान की फसल पहुंची अनाज मंडियों में

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौंद

क्षेत्र की मंडियों में धान की फसल पहुंच चुकी है, लेकिन सरकारी खरीद शुरू न होने के कारण किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हालात यह हैं कि सरकार के खरीद से जुड़े तमाम दावे पूरी तरह फेल नजर आ रहे हैं। अन्नदाताओं ने मांग की है कि जल्द से जल्द फसल की खरीदारी शुरू हो, ताकि वे अपनी उपज बेचकर परिवार का पालन-पोषण कर सकें और अगली फसल की बिजाई की तैयारी कर सकें।

मंडियों में धान की आवक और मौजूदा हालात

अनाज मंडी में धान की आवक 25 सितंबर से शुरू हो चुकी है और सरकार ने 29 सितंबर से फसल खरीदने की घोषणा की थी। मंडियों में लगातार गेट पास भी कट रहे हैं, लेकिन दो सप्ताह बीत जाने के बाद भी कोई भी एजेंसी या मिलर खरीद के लिए नहीं पहुंचा है। नारनौंद क्षेत्र की मंडियों में अब तक करीब 45,000 क्विंटल धान की फसल पहुंच चुकी है। यहां सबसे ज्यादा 30,000 क्विंटल धान की आवक हुई है। खेड़ी लोहचब मंडी में 9,000 क्विंटल धान पहुंचा है। लोहारी राघो मंडी में 5,500 क्विंटल धान की आवक दर्ज की गई है। शुक्रवार को लोहारी राघो में लाम्बा मॉडर्न राइस मिल प्लांट की तरफ से करीब 1,000 क्विंटल धान की खरीद हुई थी। शनिवार को किसी भी मंडी में कोई खरीद नहीं हो पाई, जिसके चलते किसानों में निराशा और रोष व्याप्त है।



नारनौंद। अनाज मंडी में पड़ी हुई धान की फसल। फोटो: हरिभूमि

एक मिलर पहुंचा

लोहारी राघो मंडी में एक मिलर खरीद के लिए पहुंचा है। जल्द ही सभी मंडियों में सुचारू रूप से खरीद शुरू होने की पूरी संभावना है। किसानों को मंडी में किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी।
-रवि श्योराण, सचिव, मार्केट कमेटी।

मंडी धान की फसल से लबालब

किसान अपनी गाढ़ी कमाई की फसल लेकर मंडियों में पहुंच रहे हैं। पूरी मंडी धान की फसल से लबालब हो चुकी है, लेकिन प्रशासनिक दावों के उलट अभी तक धरातल पर खरीद शुरू नहीं हो पाई है।
-सुनील कुमार, प्रधान, अनाज मंडी एसोसिएशन

दो वक्त की रोटी के लाले

किसान जगदीप, बलबीर, रमेश, राजवीर, संजीत और कमल ने दर्द बयां करते हुए बताया कि पिछले दो सप्ताह से उनकी फसल मंडी में खुले आसमान के नीचे पड़ी है, लेकिन आज तक कोई सुध लेने नहीं आया। किसानों का कहना है कि यदि फसल की खरीद जल्द नहीं हुई, तो उनके खातों में पैसे कैसे आएंगे? साल के 6 महीने का वक्त निकालना वैसे ही कठिन होता है और अब घर पर दो वक्त की रोटी के भी लाले पड़े हुए हैं। किसानों के माथे पर अगली फसल की बिजाई की चिंता साफ झलक रही है। इसके साथ ही मौसम का मिजाज भी बिगड़ रहा है। यदि बारिश हो गई, तो खुले आसमान के नीचे पड़ी फसल पूरी तरह बर्बाद हो जाएगी।

जिंदल स्टेनलेस की हिसार इकाई को मिले तीन पुरस्कार

- सस्टेनेबलिटी और ऊर्जा स्रोतों के इस्तेमाल में बदलाव के लिए मिले अवॉर्ड

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार



भारत की अग्रणी स्टेनलेस स्टील निर्माता कंपनी जिंदल स्टेनलेस को ऊर्जा स्रोतों के इस्तेमाल में बदलाव, कार्बन उत्सर्जन में भारी कटौती और पर्यावरण के अनुकूल उत्पादन पद्धतियों के लिए तीन प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कारों से नवाजा गया है। कंपनी की हिसार इकाई को ये सम्मान इकोनॉमिक टाइम्स एनर्जी ट्रांजिशन अवॉर्ड्स 2026, बीडब्ल्यू सस्टेनेबल वर्ल्ड अवॉर्ड्स 2026 और चौथे पृथ्वी अवॉर्ड्स 2026 में प्रदान किए गए। ये पुरस्कार साबित करते हैं कि कंपनी जिम्मेदारीपूर्वक काम करते हुए संसाधनों का बेहतर और न्यूनतम इस्तेमाल कर उत्पादन करने पर निरंतर ध्यान दे रही है।

इन मंचों पर मिला सम्मान

हिसार इकाई को नई दिल्ली के हयात रीजेंसी में आयोजित इकोनॉमिक टाइम्स एनर्जी ट्रांजिशन अवॉर्ड्स 2026 समारोह में 'एनर्जी ट्रांजिशन अवॉर्ड – इंडस्ट्रीज' पुरस्कार मिला। कंपनी की हिसार इकाई को मुंबई में आयोजित 9वें सस्टेनेबल वर्ल्ड कॉन्क्लेवमें 'क्लाइमेट एक्शन एंड कार्बन न्यूट्रैलिटी लीडरशिप' श्रेणी में बीडब्ल्यू सस्टेनेबल वर्ल्ड अवॉर्ड 2026 से भी सम्मानित किया गया। इसके अलावा, जिंदल स्टेनलेस को नई दिल्ली के भारत मंडपम मेंचौथा पृथ्वी अवॉर्ड्स 2026 मिला।

पर्यावरण संरक्षण व ऊर्जा बचत में बड़ी उपलब्धियां

इन पुरस्कारों के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग, ऊर्जा की बचत, कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने, अपशिष्ट ताप से ऊर्जा हासिल करने, पुनर्चक्रण, अपशिष्ट के जिम्मेदारीपूर्वक निपटान और संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल के लिए किए गए कंपनी के प्रयासों को मान्यता दी गई। इकाई में ऊर्जा की बचत करने वाली बेहतर तकनीकों, ग्रीन हाइड्रोजन, रिसाइकल की गई सामग्री और 'जीरो वेस्ट टू लैंडफिल' यानी कचरे को लैंडफिल स्थल पर न भेजने की व्यवस्था बनाई गई है। इन पुरस्कारों से उत्पादन प्रक्रिया में नए बदलाव, ईएसजी पर ध्यान और पर्यावरण के अनुकूल तरीके अपनाकर उत्पादन करने के कंपनी के प्रयासों का पता चलता है।

पुरस्कार कर्मियों के प्रयासों का प्रमाण : बिंदलिश

जिंदल स्टेनलेस की हिसार इकाई के प्रमुख विजय बिंदलिश ने बताया कि ये पुरस्कार हमारे कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों और उत्पादन प्रक्रिया में वहनीयता को शामिल करने का प्रमाण हैं। जिंदल स्टेनलेस में हम नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा बचत तकनीकों, रीसाइक्लिंग और ग्रीन हाइड्रोजन पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। हम अपने कामकाज को बेहतर बनाने के साथ-साथ भारत को कम कार्बन उत्सर्जन वाला देश बनाने में योगदान देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

ओएसजीयू में 'यूफोरिया' से छात्रों का स्वागत

- गरिमा बनीं मिस फ्रेशर और जुल्फी चुने गए मिस्टर फ्रेशर

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

ओम स्टर्लिंग ग्लोबल विश्वविद्यालय के प्रांगण में नए सत्र के विद्यार्थियों का स्वागत के लिए फ्रेशर पार्टी 'यूफोरिया' का भव्य आयोजन किया गया। हर्षोल्लास से भरे इस कार्यक्रम में जहां एक ओर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समां बांधा, वहीं दूसरी ओर रैम्प वॉक में विद्यार्थियों का जलवा देखने को मिला। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. पुनीत गोयल और प्रो-चांसलर डॉ. पूनम गोयल ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। विद्यार्थियों ने उन्हें को पौधा देकर उनका स्वागत किया। डॉ. पुनीत गोयल ने कहा कि ओएसजीयू में विद्यार्थियों को विश्वस्तरीय सुविधाओं के साथ अकादमिक वातावरण मिलेगा। उन्होंने छात्रों को मेहनती बनकर अच्छी शिक्षा ग्रहण करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एन.पी. कौशिक, ग्रुप सीओओ एंड प्रोवोस्ट डॉ. अजय कुमार पोद्दार, डॉ. रेनू शर्मा, डॉ. नीना भारद्वाज, डॉ. ओंड्रिला, सुमित, डॉ. राकेश धीमान, डॉ. सुनील बैंदा, नीरज तनेजा, सौरव, अभिषेक और सोनू राम आदि उपस्थित रहे।



हिसार। विजेताओं को सम्मानित करते विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. पुनीत गोयल और प्रो-चांसलर डॉ. पूनम गोयल व अन्य।

छात्रों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से बांधा समां

सांस्कृतिक कार्यक्रम में भारतीय छात्रों ने जहां नाटक, ग्रुप डांस, हरियाणवी, पंजाबी और गायन की प्रस्तुतियां दीं, वहीं अफ्रीका, नेपाल और बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों ने भी अपनी संस्कृति की छटा बिखेरी। गरिमा को मिस फ्रेशर, जुल्फिकले अहमद को मिस्टर फ्रेशर, स्वाति को मिस ब्यूटी, गौरव को मिस्टर हैंडसम, खुशी को मिस पर्सनैलिटी, शुभव को मिस्टर पर्सनैलिटी, साक्षी को मिस टैलेंट तथा रोहन को मिस्टर टैलेंट चुना गया।

पूर्व डीजीपी ने किया सैनिक स्कूल का दौरा

- कैडेट्स को एनडीए में सफलता के लिए किया प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

रॉयल इंटरनेशनल रेजिडेंशियल स्कूल, खारा खेड़ी स्थित सैनिक स्कूल में शनिवार को मेघालय के पूर्व पुलिस महानिदेशक डॉ. एल. आर. बिश्नोई ने दौरा किया। स्कूल निदेशिका डॉ. ज्योत्स्ना , स्कूल प्रशासक विक्रमादित्य एवं सैनिक स्कूल कर्नल डॉ. डीवी नेहरा कमांडेंट (सेवानिवृत) ने विद्यालय परिसर में पहुंचने पर उनका स्वागत किया। उन्होंने विद्यालय परिसर का भ्रमण किया और कैडेट्स के सर्वांगीण विकास के लिए उपलब्ध आधुनिक सुविधाओं एवं उत्कृष्ट आधारभूत संरचना की सराहना की। कैडेट्स को संबोधित करते हुए डॉ. बिश्नोई ने उन्हें राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में प्रवेश के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ईमानदारी, समर्पण, अनुशासन और निरंतर प्रयास करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कैडेट्स को सभी प्रकार की बुरी आदतों, विशेषकर नशे से दूर रहने की सलाह दी।



हिसार। मेघालय के पूर्व डीजीपी डॉ. एलआर बिश्नोई को स्मृति चिन्ह भेंट करते कर्नल डॉ. डीवी नेहरा कमांडेंट।

कैडेट्स के साथ साझा किए अनुभव

अपने संबोधन के दौरान डॉ. बिश्नोई ने सिविल सेवा की तैयारी से जुड़े अपने अनुभव भी कैडेट्स के साथ साझा किए। स्कूल चेयरमैन डॉ. युद्धवीर सिंह ने कहा कि डॉ. बिश्नोई का यह दौरा कैडेट्स के लिए प्रेरणादायक और मार्गदर्शक सिद्ध हुआ।

'स्वर लहरी' में संगीत ने बांधा समां

- एवरेस्ट विजेता मीनू कालीरावण, कोच विजेता मुंदलिया और अंतरराष्ट्रीय फुटबाल खिलाड़ी पूजा ने किया प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ⏭ आदमपुर

कालीरावण के राजकीय विद्यालय में स्व.पोकर मल बैनीवाल की स्मृति में भव्य 'स्वर लहरी' कार्यक्रम का आयोजन किया। संकल्प संगठन के बैनर तले 'सौगात' एनजीओ और हरियाणा पुलिस के संयुक्त प्रयास से 'एक कदम अच्छाई की ओर' अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को प्रेरणादायी संदेश देने के साथ गीत-संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से मनोरंजन भी किया गया। कार्यक्रम में हिसार बिश्नोई सभा के पूर्व अध्यक्ष प्रदीप बैनीवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जबकि विद्यालय की प्राचार्या आशा वर्मा ने अध्यक्षता की। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल करने वाली हस्तियों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।



आदमपुर। हलके के गांव कालीरावण में अतिथियों को सम्मानित करते आयोजक।

ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम में 'सौगात' एनजीओ की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुबाला, पंजाब प्रदेश अध्यक्ष एवं सलाहकार ममता जसूजा, राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष सुरजाराम सिहाग, सिरसा के स्वास्थ्य विशेषज्ञ संदीप बंसल, अग्रोहा थाना प्रभारी ईश्वर सिंह, उपनिरीक्षक हवासिंह मांजू सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

नौ दिवसीय कुल देवी उमरा वाली मैय्या के मेले की तैयारियां पूरी

हिसार। शारदीय नवरात्र में उमरा में कुल देवी उमरा वाली मैय्या के भव्य मेले का आयोजन 11 से 19 अक्टूबर तक किया जाएगा। उमरा वाली दुर्गा मैय्या मंदिर में आयोजित होने वाले इस मेले में अहमदाबाद, दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, उड़ीसा व गोरखपुर सहित देश के दूरदराज के क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु माता रानी के दर्शन करने एवं आशीर्वाद लेने पहुंचेंगे। इस मेले की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। ट्रस्ट के अध्यक्ष सतीश गुप्ता ने बताया कि मेले के दौरान माता रानी के मंदिर में 275 ज्योत जगेंगी और पूरे नौ दिनों तक ताजा फूलों से माता रानी का श्रृंगार किया जाएगा। यह मंदिर 400 वर्ष से भी अधिक पुराना है।

गंगवा कल करेंगे शहीद स्मारक का शिलान्यास

बरवाला। लोक निर्माण तथा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा 12 अक्टूबर को बरवाला क्षेत्र का दौरा करेंगे। इस दौरान मंत्री रणबीर गंगवा सुबह 10:30 बजे शहीद स्मारक एवं सिटी पार्क का शिलान्यास करेंगे। शिलान्यास कार्यक्रम के उपरांत वह स्थानीय निवासियों व आमजन की समस्याएं व शिकायतें भी सुनेंगे। इस आधिकारिक दौरे को लेकर संबंधित विभागों के अधिकारियों को उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि मौके पर ही आमजन की शिकायतों का निदान हो सके।

ओशो ध्यान उपवन में आज होगा मेडिटेशन

हिसार। ओशो ध्यान उपवन में 11 अक्टूबर को मेडिटेशन का आयोजन किया जाएगा। ओशो ध्यान उपवन के संचालक स्वामी संजय व मां सांची ने बताया कि प्रातः 9.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक चलने वाले इस ध्यान सत्र में साधकों को ध्यान की सरल विधियां सिखाई जाएंगी और ध्यान का अभ्यास भी करवाया जाएगा। इसके साथ ही ध्यान का महत्व स्पष्ट करते हुए इसे नियमित रूप से जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित भी किया जाएगा। इस ध्यान सत्र में विभिन्न क्षेत्रों से काफी संख्या में साधक हिस्सा लेंगे।

महाराजा अग्रसेन जयंती पर आज होंगे कार्यक्रम

आदमपुर। महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव रविवार को श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर अग्रवाल सभा आदमपुर की ओर से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। सभा के अध्यक्ष घीसाराम जैन ने बताया कि शाम पांच बजे अग्रसेन चौक पर महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर तिलक और माल्यार्पण किया जाएगा। इसके बाद केक काटकर ढोल-नगाड़ों के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो अग्रवाल सदन माडल टाउन पहुंचेगी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 7988727916, 9315429403, 9253681005



हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 11 अक्टूबर 2026

संस्कृति-आस्था का उल्लास
नवरात्रों के बहुरंगी उत्सव


बंगाल की पारंपरिक दुर्गा पूजा


गुजरात में नवरात्र का महत्वपूर्ण अंग-डांडिया


ओडिशा के कटक में 'चांदी मेधा' से सजी मां दुर्गा की प्रतिमा


उत्तर भारत में नवरात्र के दौरान होता है रामलीला का आयोजन

शारदीय नवरात्र विशेष

भारत के विभिन्न स्थानों में नवरात्र मनाने के अलग-अलग तरीके हैं। ये इस बात के प्रमाण हैं कि हमारी संस्कृति कितनी समृद्ध और विविधतापूर्ण है। बंगाल की कलात्मकता, गुजरात का नृत्य, दक्षिण का गोलू और मैसूर का राजसी वैभव, सब मिलकर एक ही सनातन शक्ति की आराधना करते हैं। यह विविधता ही हमारे देश की असली पहचान और सुंदरता है। आइए भारत के विभिन्न राज्यों में नवरात्रों और दुर्गा पूजा के अनूठे और मनमोहक स्वरूपों पर एक नजर डालते हैं।

आवरण कथा
शिखर चंद जैन

विविधता में एकता का महापर्व नवरात्रों में होने वाली दुर्गा पूजा, भारत के सबसे बड़े और उल्लासपूर्ण त्योहारों में से एक है। यह केवल मां शक्ति की आराधना का पर्व नहीं है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक विविधता, धार्मिक, सामाजिक समरसता और उल्लास का भी जीवंत अवसर है। यद्यपि इस उत्सव का मूल भाव महिषासुर मर्दिनी मां दुर्गा की आसुरी शक्तियों पर विजय का उत्सव मनाना है, लेकिन देश के अलग-अलग राज्यों में इसे मनाने की शैलियां, परंपराएं और सांस्कृतिक रंग पूरी तरह भिन्न हैं।

बंगाल में दिखता है परंपरा-संस्कृति का संगम

पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा का रूप सबसे अधिक व्यापक, भव्य और पारंपरिक होता है। यहां यह उत्सव केवल पांच दिनों का नहीं, बल्कि पूरे साल की तैयारी का परिणाम होता है। पारंपरिक बंगाली घरों और पुराने अभिजात्य परिवारों (राजबाड़ी की पूजा) में आज भी मां दुर्गा की 'एकचाला' (एक ही अर्द्धवृत्त फ्रेम में सभी देवताओं की मूर्तियां) प्रतिमा स्थापित की जाती है। कोलकाता और अन्य शहरों में समकालीन कला, सामाजिक संदेशों या प्राचीन मंदिरों की प्रतिकृतियों पर आधारित विशाल पंडाल बनाए जाते हैं, जिन्हें देखने के लिए देश-विदेश से लोग आते हैं। महाष्टमी के दिन नौ वर्ष से कम आयु की कन्याओं को मां दुर्गा का स्वरूप मानकर उनकी विशेष पूजा की जाती है, जो नारी शक्ति के प्रति सम्मान का प्रतीक है। धुनुची (धूप और नारियल के छिलकों से सुलगता पात्र) के साथ किया जाने वाला ऊर्जावान धुनुची नृत्य यहां का मुख्य आकर्षण है। वहीं, विजया दशमी के दिन विवाहित महिलाएं मां को सिंदूर अर्पित करने के बाद आपस में सिंदूर लगाकर सुखद भविष्य की कामना करती हैं।


महाराष्ट्र में नवरात्र के दौरान 'भोंडाला' खेलती महिलाएं

ओडिशा-असम में शक्तिपीठों की आराधना

पूर्वी भारत के राज्यों ओडिशा और असम में दुर्गा पूजा का अपना ही विशिष्ट और प्राचीन स्वरूप देखने को मिलता है। ओडिशा के कटक शहर में दुर्गा पूजा के दौरान मां की मूर्तियों के पीछे शुद्ध चांदी के कलात्मक मुकुट और झांकियां बनाई जाती हैं, जिन्हें 'चांदी मेधा' कहा जाता है। यहां का विसर्जन जुलूस अपनी भव्यता और संगीत आयोजन के लिए प्रसिद्ध है। जबकि असम में कामाख्या मंदिर और शक्तिपीठों के प्रभाव के कारण यहां मां दुर्गा की पूजा तांत्रिक और पारंपरिक विधि-विधान से की जाती है। यहां 'अंजली' और 'महाप्रसाद' वितरण का विशेष महत्व होता है।

गुजरात में होता है आयोजित गरबा-डांडिया का महाउत्सव

गुजरात में नवरात्रों में मां अंबा और मां दुर्गा की आराधना नृत्य और संगीत के माध्यम से की जाती है। नवरात्रों में युवक-युवतियां पारंपरिक परिधानों में सजकर मां की ज्योत (गरबी) के चारों ओर तालियों और लोकगीतों के साथ गरबा और डांडिया खेलते हैं। यह आयोजन केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक मेल-मिलाप का सबसे बड़ा मंच बन जाता है, जहां युवा से लेकर बुजुर्ग तक पूरी ऊर्जा के साथ शामिल होते हैं।

महाराष्ट्र में होती है घटस्थापना और शस्त्र पूजा

महाराष्ट्र में नवरात्र और विजया दशमी का पर्व लोकमान्य तिलक द्वारा पुनर्जीवित सार्वजनिक गणेशोत्सव की तरह ही सामाजिक सहभागिता के साथ मनाया जाता है। अश्विन प्रतिपदा के दिन घरों में कलश स्थापना (घटस्थापना) और नौ दिनों तक अखंड दीप प्रज्वलित करने की परंपरा है। महाराष्ट्र में महिलाओं और विशेषकर युवतियों के लिए 'भोंडला' या 'हदस्तोत्सव' खेलने की अनूठी परंपरा है, जिसमें हाथी के चारों ओर घेरा बनाकर लोकगीत गाए जाते हैं। विजया दशमी के दिन यहां शमी के पत्तों (जिसे स्वर्ण माना जाता है) को एक-दूसरे को देकर शुभकामनाएं दी जाती हैं। इस अवसर पर औजारों तथा हथियारों की पूजा भी की जाती है।

दक्षिण भारत की शान है बोम्माइ गोलू और शाही दशहरा

दक्षिण भारत (विशेषकर तमिलनाडु, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश) में दुर्गा पूजा का स्वरूप कला और शाही इतिहास से जुड़ा हुआ है। तमिलनाडु और कर्नाटक में नवरात्र के दौरान घरों में सीढ़ीनुमा रैक बनाकर देवी-देवताओं, पौराणिक कथाओं और जीवन से जुड़ी गुड़ियों (बोम्माइ) को सजाया जाता है। इसे 'गोलू' कहा जाता है' जहां महिलाएं एक-दूसरे के घर जाकर हल्दी-कुमकुम और उपहार का आदान-प्रदान करती हैं। मैसूर पैलेस में मनाया जाने वाला दशहरा पूरी दुनिया में मशहूर है। यहां विजया दशमी के दिन सजे-धजे हाथियों की सवारी निकाली जाती है, जिसमें मां चामुंडेश्वरी की स्वर्ण प्रतिमा को हाथी पर विराजमान कर भव्य जुलूस निकाला जाता है।


दक्षिण भारत में नवरात्र के दौरान बोम्माइ गोलू की सजावट

उत्तर भारत में रामलीलाओं की धूम

उत्तरी भारत में नवरात्रों का समापन रावण दहन और रामलीला के साथ विजया दशमी के रूप में मुख्य रूप से होता है। विशेष तौर पर उत्तर प्रदेश में इस दौरान जगह-जगह रामलीलाओं का आयोजन किया जाता है। प्राचीन काल से चली आ रही इस परंपरा का क्रेज आज भी है। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू घाटी में मनाया जाने वाला दशहरा उत्सव बेहद अनूठा है। यहां सात दिनों तक स्थानीय देवी-देवताओं की पालकियों की भव्य रथ यात्रा निकलती है। यह उत्सव तब शुरू होता है, जब देश के बाकी हिस्सों में दशहरा समाप्त हो जाता है। यहां मां दुर्गा के साथ भगवान रघुनाथ की पूजा का मुख्य विधान है। *

सृष्टि का मूल आधार है 'शक्ति'। शक्ति की यह आराधना केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानव सभ्यता जितनी ही प्राचीन और वैश्विक है। प्रागैतिहासिक काल से लेकर आज तक मातृ शक्ति को नाम-तरीकों से पूजा जाता रहा है।

दुनिया भर में शक्ति पूजा
स्वरूप-मान्यताएं हैं अलग-अलग

आस्था / अंजू जैन



भारतीय उपमहाद्वीप को शक्ति पूजा का वैश्विक उद्गम केंद्र माना जा सकता है। यहां 'शाक्त संप्रदाय' के अंतर्गत शक्ति को ही सर्वोच्च सत्ता के रूप में पूजा जाता है। भारत में मां दुर्गा, काली, लक्ष्मी और सरस्वती के रूपों में शक्ति का त्रिविध स्वरूप आकर्षण, ऐश्वर्य और ज्ञान पूजनीय है। वर्ष में दो बार आने वाले 'नवरात्रि' के पावन अवसर पर नौ दिनों तक आदिशक्ति के नौ अलग-अलग रूपों (शैलपुत्री से लेकर सिद्धिदात्री तक) की पूजा की जाती है। भारत, नेपाल, बांग्लादेश, पाकिस्तान, तिब्बत और श्रीलंका में फैले 51 शक्तिपीठ शक्ति पूजा के भौगोलिक और आध्यात्मिक विस्तार का सबसे बड़ा प्रमाण हैं। शक्ति पूजा की व्यापकता पूरी दुनिया में प्राचीन काल से आज भी विद्यमान है।

प्राचीन मिस्र में 'आइसिस' और 'सेखमेट' की आराधना: यदि हम प्राचीन वैश्विक सभ्यताओं की ओर रुख करें, तो नील नदी की घाटी (मिस्र) में


मिस्र सभ्यता की देवी 'आइसिस'

शक्ति पूजा का एक बेहद समृद्ध इतिहास मिलता है। मिस्र की सभ्यता में देवी 'आइसिस' को मातृत्व, जादू और जीवन के पुनर्जन्म की परम देवी माना जाता था, जिसकी तुलना भारतीय संस्कृति की मां पार्वती से की जा सकती है। वहीं दूसरी ओर, युद्ध और विनाश की उग्र देवी 'सेखमेट' का स्वरूप भारतीय परंपरा की मां काली से हूबहू मेल खाता है। सिंह के मुख वाली देवी सेखमेट को न्याय और संहार की शक्ति माना जाता था, जो बुरी ताकतों से ब्रह्मांड की रक्षा करती थीं।

ग्रीक (यूनानी) सभ्यता में देवियों का महातम्य: यूनान के प्राचीन दर्शन और पौराणिक कथाओं में भी स्त्री शक्ति को सर्वोच्च स्थान प्राप्त था। ग्रीक पौराणिक कथाओं में देवी 'अथेना' को बुद्धि, ज्ञान और युद्ध की रणनीति की देवी माना गया है, जो मां सरस्वती और मां दुर्गा के मिले-जुले स्वरूप को दर्शाती हैं। इसी प्रकार, प्रकृति, जंगली जीवों और प्रसव की देवी 'आर्टेमिस' और पृथ्वी माता के रूप में पूजी जाने वाली देवी 'डेमेटर' (जिन्हें हम मां शाकंभरी या अन्नपूर्णा कह सकते हैं) की पूजा यूनानी समाज में अनिवार्य रूप से की जाती थी। ओलंपिक खेलों की शुरुआत भी कहीं न कहीं इन शक्तियों के सम्मान से जुड़ी थी।

मेसोपोटामिया सभ्यता में प्रेम-युद्ध की देवी इश्तार: दजला और फरात नदियों के किनारे विकसित हुई मेसोपोटामिया (आधुनिक इराक और सीरिया) की प्राचीन सुमेरियन और बेबीलोनियन सभ्यताओं में देवी 'इन्नाना' या 'इश्तार' की पूजा का व्यापक प्रचलन था। इश्तार को प्रेम, सौंदर्य, उर्वरता के साथ-साथ युद्ध की भी देवी माना जाता था। शेर की सवारी करने वाली देवी इश्तार का यह हिंसक और ममतामयी दोहरा स्वरूप बिल्कुल भारतीय सिंहवाहिनी मां दुर्गा जैसा ही है। यह इस बात का ऐतिहासिक साक्ष्य है कि मानव सभ्यता के शुरुआती दौर में भी शक्ति को एक योद्धा और रक्षक के रूप में ही देखा गया।

चीन-जापान में गुआन यिन और अमातेरासु: पूर्वी एशिया की बौद्ध और शिंतो परंपराओं में भी शक्ति पूजा ने अपना स्वरूप बदला लेकिन अपनी मूल भावना को बनाए रखा। चीन में 'गुआन यिन' को करुणा, दया और मातृत्व की देवी के रूप में पूजा जाता है। यद्यपि वे बौद्ध परंपरा से जुड़ी हैं, लेकिन आम जनमानस में उनका स्थान एक रक्षक माता का ही है। वहीं जापान की पारंपरिक शिंतो संस्कृति में


चीन में बौद्ध परंपरा की देवी गुआन यिन

'अमातेरासु' को सूर्य की देवी और संपूर्ण ब्रह्मांड की निर्मात्री माना गया है। जापानी शाही राजवंश स्वयं को सूर्य देवी अमातेरासु का वंशज मानता है, जो यह साबित करता है कि वहां राजसत्ता की शक्ति का स्रोत भी एक महिला देवी ही हैं।

अमेरिका में माया और एज्टेक की प्रकृति पूजा: कोलंबस के अमेरिका पहुंचने से बहुत पहले, वहां की समृद्ध माया और एज्टेक सभ्यताओं में प्रकृति को ही शक्ति का जीवंत रूप मानकर पूजा जाता था। एज्टेक सभ्यता में 'कोटलीक्यू' को जीवन और मृत्यु की देवी, यानी 'धरती माता' के रूप में पूजा जाता था। उनका स्वरूप भी स्कंदमाता और काली के समान उग्र और सृजनात्मक था। वहीं माया सभ्यता में 'इशचेल' को चंद्रमा, चिकित्सा और बुनाई की देवी माना जाता था। इन संस्कृतियों में फसल कटाई के समय मातृ शक्ति को धन्यवाद देने के लिए बड़े उत्सव मनाए जाते थे, जो हमारे यहां की 'नवान्न' या 'लोहड़ी', 'पोंगल' परंपरा जैसी ही है। *

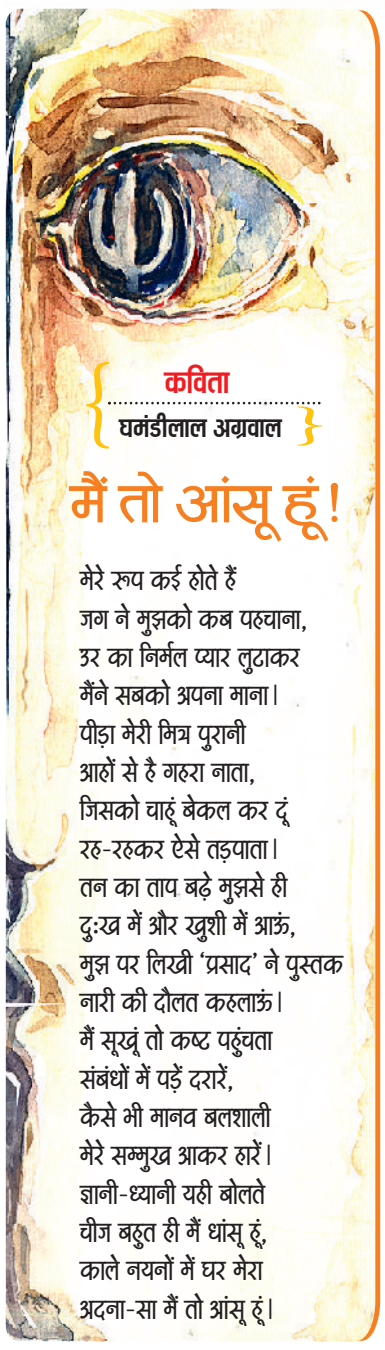

कविता
घमंडीलाल अग्रवाल

मैं तो आंसू हूं!

मेरे रूप कई होते हैं
जग ने मुझको कब पहचाना,
उर का निर्मल प्यार लुटाकर
मैंने सबको अपना माना।
पीड़ा मेरी मित्र पुरानी
आहों से है गहरा नाता,
जिसको चाहूं बेकल कर दूं
रह-रहकर ऐसे तड़पाता।
तन का ताप बढ़े मुझसे ही
दुःख में और खुशी में आऊं,
मुझ पर लिखी 'प्रसाद' ने पुस्तक
नारी की दौलत कहलाऊं।
मैं सूखूं तो कष्ट पहुंचता
संबंधों में पड़ें दरारें,
कैसे भी मानव बलशाली
मेरे सम्मुख आकर हारें।
ज्ञानी-ध्यानी यही बोलते
चीज बहुत ही मैं धांसू हूं,
काले नयनों में घर मेरा
अदना-सा मैं तो आंसू हूं।

व्यंग्य / डॉ. यशोधरा भटनागर

दोस्ती का डेटा पैक



हम बड़े भाग्यशाली समय में जी रहे हैं, जब हमारे पास दोस्तों की कोई कमी नहीं हैं। हमारे इतने दोस्त हैं कि हम खुद भूल जाते हैं कि आखिर हम किसके दोस्त हैं और कौन हमारा? भाग्यशाली समय की हर सुबह अपने दोस्तों से मिलने के साथ शुरुआत होती है और वो भी घर बैठे। मोबाइल उठाया अंगुली से स्क्रीन पर हल्का-सा स्पर्श किया, दोस्ती की दुनिया खुल जाती है। हजारों दोस्त एक साथ कतार में खड़े मिलते हैं। अब पुराने जमाने की तरह चाय पिलाने, हाल-चाल पूछने, या दुःख-सुख बांटने की कोई झंझट नहीं। यहां सब काम लाइक और इमोजी से चल जाता है।

पहले दोस्ती का मतलब था, आप बीमार पड़ें तो कोई दवा ला दे। अब दोस्ती का मतलब है, आप बीमार पड़ें तो सौ लोग लिख दें 'गेट वेल सून।' लिखने वाला इस परम विश्वास से संदेश भेजता है कि यह वाक्य दवा और दुआ से भी ज्यादा प्रभावी तरीके से काम करेगा। लिखने वाले भी निश्चिंत हो जाते हैं कि उसने दोस्ती का फर्ज अदा किया। मोबाइल में इतने 'गेट वेल' बरसते हैं कि बीमारी भी ठिठककर सोचती है। यहां दर्द असली है, या महज रस्म अदायगी है?

अब यह नई संवेदना है, जिसमें आदमी घर से नहीं निकलता, पर भावनाएं पूरी तरह आउटसोर्स कर देता है। भावनाएं डाक से नहीं, डेटा से जाती हैं और कभी-कभी 'डिलीवर' भी नहीं होतीं। इतनी फर्ज अदायगी के बाद अगर मरीज स्वस्थ हो जाए तो ठीक, नहीं तो अगली पोस्ट 'ओम शांति' की तैयारी है। सोशल मीडिया ने दोस्ती को बहुत लोकतांत्रिक बना दिया है। अब आप किसी को जानते हों या न जानते हों, दोस्ती हो सकती है। मेरे एक परिचित हैं, जो हर सुबह कई सौ लोगों को 'गुड मॉर्निंग' भेजते हैं। मैंने पूछा, 'भैया क्या आप इन सबको जानते हैं?' वे बोले, 'नहीं, पर ये सब मेरे फ्रेंड्स हैं।' मैंने सोचा, अगर यही दोस्ती है तो मोहल्ले का किराना दुकानदार मेरा आत्मीय मित्र हुआ। कम से कम वह हर महीने उधार का हिसाब पूछते समय मेरा चेहरा तो पहचान लेता है। इन ऑनलाइन दोस्तों की तरह सिर्फ डी.पी. वाला चेहरा ही नहीं पहचानता। अब आदमी के जीवन में दोस्ती का नए पैमाने, नए मापदंड बन गए हैं-लाइक्स। जिसकी पोस्ट पर ज्यादा लाइक, वह ज्यादा लोकप्रिय। लोग फोटो डालते हैं। कभी कॉफी के कप के साथ, कभी जिम में पसीना बहाते हुए, कभी पहाड़ों में मुस्कुराते हुए और नीचे सैकड़ों लोग लिख देते हैं। 'वाह!' या फिर 'कमाल है!'

हमें तो कभी-कभी लगता है कि अगर न्यूटन आज होते तो वे गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत नहीं खोजते, बल्कि यह खोजते कि पोस्ट पर लाइक किस तरह और किस गति से गिरते हैं? ऑनलाइन दोस्ती की एक और खूबी है। यहां हर आदमी बहुत खुश दिखाई देता है। कोई लिख रहा है, 'लाइफ इज ब्यूटीफुल।' कोई लिख रहा है, 'फीलिंग ब्लेस्ड।' जबकि उसी आदमी की असली जिंदगी में बिजली का बिल, बच्चों की फीस और बॉस की डांट उसकी प्रतीक्षा कर रही होती है। पर इन सब चिंताओं के बीच फुर्सत पाते ही वह एक नई फोटो डाल देता है, मानो हर समस्या हल हो गई। एक दिन हमने अपने मोहल्ले के गुड्डू से यूं ही पूछ लिया, 'भैया तुम्हारे कितने दोस्त हैं?'

'पूरे चार हजार आठ सौ। पांच हजार में दो सौ कम।' उसने बड़े गर्व के साथ मुस्कुराते हुए जवाब दिया। हमने कहा, 'अच्छा है, फिर तो तुम्हें कभी अकेलापन नहीं लगता होगा।''नहीं! नहीं! ऐसा कुछ नहीं। अकेलापन अपनी जगह है। रात को मोबाइल बंद होता है, तो दोस्ती भी 'स्लीप मोड' में चली जाती है। छत की ओर एकटक देखते हुए सोचता हूं, 'इतने सारे दोस्त हैं, पर बात किससे करूं?' उसकी बात सुनकर हम सोचने लगे। इतने दोस्तों के होते हुए भी अकेलापन?' क्योंकि दोस्ती में अब मेहनत नहीं है। मित्रों, दोस्ती का नया ज्ञान और विज्ञान यह है कि डिजिटल की दोस्ती भी बड़ी प्रगतिशील हो गई है। न इंतजार है, न रूठना है, न मनाना है। बस अंगूठा चलाना है। और दोस्त पसंद न आए तो ब्लॉक कर अंगूठा दिखाना है। संवेदनाएं शब्दों की मोहताज हो गईं हैं और भावनाओं ने इमोजी की शक्ल अख्तियार कर ली है। *

लघुकथा / सूर्यदीप कुशवाहा

कच्ची दीवार

अनन्या एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में सीनियर प्रोजेक्ट मैनेजर के पद पर कार्यरत थी। उसकी कार्यक्षमता, अनुशासन और टीम के नेतृत्व करने की काबिलियत का हर कोई कायल था। इस वर्ष ऑपरेशंस हेड का पद खाली होने वाला था और अनन्या अपनी योग्यता के आधार पर इसकी सबसे प्रबल दावेदार थी। उसी विभाग में राहुल भी मैनेजर था। राहुल काम में औसत था, लेकिन उसकी नेटवर्किंग और ऑफिस के पुरुष सहयोगियों के साथ शाम की पार्टियों में उपस्थिति उसे मैनेजमेंट की नजरों में बनाए रखती थी।

पदोन्नति के इंटरव्यू का दिन आया। अनन्या ने पिछले तीन वर्षों के अपने शानदार रिकॉर्ड, कंपनी के बढ़ते हुए प्रॉफिट और टीम की सफलता का पूरा डेटा प्रस्तुत किया। दूसरी ओर, राहुल का प्रस्तुतीकरण सामान्य था। इंटरव्यू बोर्ड के मुख्य सदस्य मिस्टर खन्ना ने अनन्या से एक ऐसा सवाल पूछा, जो शायद ही किसी पुरुष उम्मीदवार से पूछा जाता। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'अनन्या, आपका काम तो बेहतरीन है, लेकिन पता चला है कि आप फैमिली प्लानिंग के बारे में सोच रही हैं। यह पोस्ट तो बहुत जिम्मेदारी वाला है, ऐसे में क्या आप फैमिली के साथ ऑफिस की नई जिम्मेदारियां संभाल पाएंगी?' यह सवाल सुनकर अनन्या सन्न रह गई। उसकी योग्यता पर उसकी व्यक्तिगत जीवन को भारी माना जा रहा था। कुछ दिनों बाद घोषणा की गई कि राहुल को ऑपरेशंस हेड बना दिया गया। कारण बताया गया कि राहुल ज्यादा फ्लेक्सिबल है और जरूरत के समय उपलब्ध रह सकता है। यह अधिकतर कार्यालयों में व्याप्त उस ग्लास सीलिंग का जीवंत उदाहरण था, जहां महिलाओं को उनकी क्षमता के बजाय उनकी सामाजिक भूमिकाओं के तराजू में तौला जाता है। लेकिन अनन्या ने हार नहीं मानी। उसने एचआर विभाग में निष्पक्ष समीक्षा की मांग की और अपनी परफॉर्मेंस के आंकड़ों के साथ औपचारिक शिकायत दर्ज कराई।



उसने साफ शब्दों में कहा, 'प्रतिबद्धता और काबिलियत का पैमाना जेंडर नहीं, बल्कि रिजल्ट होना चाहिए।' अनन्या के साहस ने दबे स्वर में बात कर रही अन्य महिला सहकर्मियों को भी प्रेरित किया। मामला मुख्यालय तक पहुंचा और जांच में पाया गया कि राहुल का चयन पक्षपातपूर्ण था।

अंततः प्रबंधन को अपनी गलती सुधारनी पड़ी। अनन्या को न केवल वह पद मिला, बल्कि कंपनी ने नई नीतियां लागू कीं ताकि भविष्य में किसी भी महिला की योग्यता को उसके घरेलू भविष्य के अनुमानों से न आंका जाए। अब असमानता की कच्ची दीवार टूट गई थी। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

संवेदना से भरी कविताएं

पेशे से फिजियोथेरेपिस्ट डॉक्टर अदिति सक्सेना के भीतर एक कवि मन भी है। इसको प्रमाणित करता है हाल में छपकर आया उनका पहला कविता संग्रह-खो गए हम कहां। इसमें अपने आस-पास की दुनिया के साथ ही देश और पूरी मनुष्यता के प्रति उनकी संवेदनशीलता प्रकट होती है। इस लिहाज से 'बंटवारा' कविता को पढ़ा जा सकता है। कुछ ऐसे ही भाव 'मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना' कविता में भी प्रकट हुए

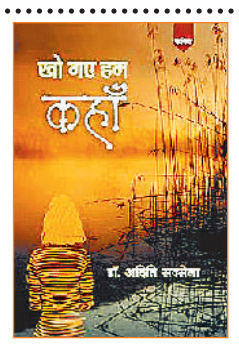

हैं तो कवयित्री को अपने देश के जांबाज सैनिकों पर भी गर्व है। इसे उन्होंने ओजस्वी शब्दों में 'हमारे वीर वायु योद्धा' में व्यक्त किया है। इन सबके साथ पुरुष प्रधान समाज में एक स्त्री को किस तरह हमेशा डरे-सहमे रहने को विवश होना पड़ता है, इस त्रासदी को बहुत मार्मिकता के साथ अदिति ने 'बलात्कार' कविता में शब्दबद्ध किया है। इसी तरह संग्रह की अनेक कविताओं में जीवन और समाज की तमाम विसंगतियों, विडंबनाओं के काव्यात्मक चित्र देखे जा सकते हैं। *

पुस्तक: आ गए हम कहां (कविता संग्रह), **लेखिका:** डॉ. अदिति सक्सेना, **मूल्य:** 350 रुपए, **प्रकाशक:** भावना प्रकाशन, दिल्ली

द्वीपीय जीवन-संस्कृति की झलक दिखाता

अंडमान-निकोबार का कोकोनट कार्निवल



नारियल की खुशबू, समुद्री लहरों की हरहराती आवाज और स्थानीय संस्कृति के विविध रंग, अंडमान और निकोबार द्वीप का कोकोनट कार्निवल इन सबको एक साथ समेटता है। हर वर्ष आयोजित होने वाला यह उत्सव, नारियल के बहाने इन द्वीपों के खान-पान, परंपरा, कला और संस्कृति से भी रूबरू कराता है।

पर्व-संस्कृति
धीरज बसाक

समुद्र के बीच में बसे द्वीपों की अपनी एक अलग भाषा होती है। रास्तों के किनारे झूमते नारियल के पेड़ किसी स्वागत द्वार की तरह लगते हैं और दूर तक फैला नीला पानी यह एहसास करा देता है कि भारत की भौगोलिक कहानी सिर्फ पहाड़ों, मैदानों और रेगिस्तान तक ही सीमित नहीं है। अंडमान-निकोबार पहुंचकर नजर जब नारियल के पेड़ों पर ठहरती है, तो समझ में आता है कि यहां नारियल महज एक फल या पेड़ नहीं बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी, खानपान और स्थानीय अर्थव्यवस्था का हिस्सा भी है। इस रिश्ते को उत्सव में बदल देता है यहां का कोकोनट कार्निवल, जो इस साल 17 से 18 अक्टूबर 2026 को आईटीएफ ग्राउंड, विजय पुरम पोर्ट ब्लेयर में आयोजित होगा।

द्वीपीय जीवनशैली को करीब से देखने का मौका

अंडमान-निकोबार में हर साल अक्टूबर माह में आयोजित होने वाला यह यह पारंपरिक मेला, अपना एक अलग ही चुंबकीय आकर्षण रखता है। इस मौके पर यहां आने वाले पर्यटकों को इन द्वीपों की असली जीवनशैली को करीब से देखने का मौका मिलता है। नारियल से बने खाद्य पदार्थ, स्थानीय उत्पाद, हस्तशिल्प, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और स्थानीय स्वाद, सब मिलकर इसे सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं बल्कि अंडमान की सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान की झलक बना देते हैं। सैलानियों के लिए किसी जगह की असली खूबसूरती उसके प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों से आगे शुरू होती है। समुद्र तटों की तस्वीरें तो हर पर्यटक खींचता है, लेकिन उन समुद्र तटों के आस-पास रहने वाले लोगों का जीवन कैसा है, वे क्या खाते हैं, क्या बनाते हैं और अपनी प्राकृतिक संपदा को किस तरह देखते हैं? इस सबको जानना यात्रा को एक अनोखा अनुभव बना देता है।

समझ आती है नारियल की बहुपयोगिता



यहां पहुंचकर लोगों को पता चलता है कि नारियल सिर्फ मंदिर में चढ़ाने या कुछ मिठाईयों में इस्तेमाल होने तक सीमित नहीं है। इसकी उपयोगिता की बहुत लंबी-चौड़ी लिस्ट है। इसका पानी हमारी प्यास बुझाता है। इसकी गिरी हमारे भोजन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनती है। इसका तेल खान-पान से लेकर दूसरे घरेलू कामों में इस्तेमाल होता है, जबकि इसकी जटा और खोल से कई तरह के उपयोगी उत्पाद बनाए जाते हैं। द्वीपों में इसकी मौजूदगी इतनी स्वाभाविक है कि पर्यटकों को शायद पहली नजर में इसकी आर्थिक और सांस्कृतिक भूमिका का अंदाजा भी न हो। कोकोनट कार्निवल इसी रोजमर्रा की चीज को उत्सव के केंद्र में लाकर इसके महत्व को उजागर करता है।

अलग-अलग तरह के स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ

इस कार्निवल की एक और खूबी है, यहां पर बनाए जाने वाले विभिन्न व्यंजनों के लजीज स्वाद। अंडमान की यात्रा समुद्री भोजन के स्वाद के बिना अधूरी रहती है। स्थानीय भोजन में कई तरह के समुद्री खाद्य पदार्थों के साथ नारियल की संगति यहां देखते ही बनती है। नारियल आधारित चटनियां, करी और दूसरे स्थानीय व्यंजन यहां आने वाले पर्यटकों को उस स्वाद से परिचय कराते हैं, जो किसी होटल के सामान्य मेन्यू में नहीं मिलता। शाकाहारी यात्रियों के लिए भी यहां नारियल आधारित व्यंजनों की अपनी भरी-पूरी दुनिया है।

संस्कृति के विविध आयामों से परिचय

अंडमान-निकोबार कोकोनट कार्निवल, खान-पान के जरिए भी सैलानियों के सामने स्थानीय संस्कृति परोसता है। यहां की संस्कृति के विविध आयाम हैं, जो सदियों से रह रहे यहां के अनेक समुदायों की परंपराओं से मिलकर बनी है। स्थानीय संगीत और नृत्य, हस्तशिल्प तथा रोजमर्रा के जीवन से जुड़े उत्पाद, इस बात का एहसास कराते हैं कि द्वीपों की संस्कृति मुख्य भूमि से अलग होते हुए भी उसमें भारत की विविधता के चटक रंग घुले हुए हैं।

अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान

इस कोकोनट कार्निवल में आया कोई पर्यटक जब स्थानीय उत्पाद खरीदता है, स्थानीय व्यंजनों का स्वाद लेता है या स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुतियां देखता है, तो इससे यहां की स्थानीय अर्थव्यवस्था को कई तरह से लाभ पहुंचता है। इस तरह उत्सव पर्यटन को केवल होटल्स और दर्शनीय स्थलों तक सीमित रखने की बजाय उसे स्थानीय समुदायों से जोड़ देता है।

हर अनुभव होता है यादगार

सुबह समुद्र के किनारे सूर्योदय, दिन में द्वीपों की सैर और स्थानीय बाजारों की खोज तथा शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रमों का अनुभव। कोकोनट कार्निवल के समय यहां आने वाले पर्यटक अपनी आंखों में सिर्फ अंडमान-निकोबार द्वीप की खूबसूरती ही नहीं ले जाते बल्कि इस सांस्कृतिक अनुभव को भी ले जाते हैं, जो जीवन भर उनके मन में यहां की याद ताजा बनाए रखता है। कोकोनट कार्निवल की सबसे खूबसूरत बात यही है कि यह किसी पर्यटन अनुभव की नकल करने की बजाय स्थानीय जीवन के साधारण चीज को उत्सव में बदल देता है। एक नारियल के बहाने, प्रकृति, भोजन, रोजगार, हस्तशिल्प, लोकसंस्कृति और पर्यटन, सब एक ही फ्रेम में दिखाई देने लगते हैं। *

रखें इन बातों का ध्यान

किसी भी द्वीपीय पर्यटन की तरह यहां भी जिम्मेदाराना पर्यटन बहुत जरूरी है। अंडमान-निकोबार के समुद्र तट इसलिए भी लोगों को आकर्षित करते हैं, क्योंकि ये साफ-सुथरे हैं। ऐसे में यह पर्यटकों की जिम्मेदारी भी बनती है कि ये साफ-सुथरे समुद्र तट, बाकी सैलानियों के लिए भी ऐसे ही बने रहें, इसलिए प्लास्टिक कचरा न फैलाना, समुद्री और तटीय पारिस्थितिकी का सम्मान करना, स्थानीय समुदायों और उनकी परंपराओं की तस्वीर या वीडियो लेने से पहले अनुमति लेना, स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देना जैसी बातों का पालन करें। भले ये छोटी बातें लगती हों, लेकिन संवेदनशील द्वीपों के लिए इनका बड़ा महत्व है।

सफल और समृद्ध जीवन की कामना हम सभी करते हैं। इसे हासिल किया जा सकता है, लेकिन इसके लिए आपके व्यक्तित्व और व्यवहार में कुछ विशेष गुणों का होना जरूरी है। इस बारे में जानिए।

आपको सफल-समृद्ध बनाएंगी

व्यक्तित्व की खूबियां-आदतें

सक्सेस मंत्र
नेहा जैन



किसी ने क्या खूब कहा है, दौलत तिजोरी या बैंक खाते में आने से पहले सोच में जन्म लेती है। यानी सफल और समृद्ध होने के लिए हमारी सोच और व्यक्तित्व में कुछ आदतों का शामिल होना जरूरी है।

खुद पर भरोसा: हर बड़ी उपलब्धि की शुरुआत तालियों से नहीं होती। कई बार शुरुआत संदेह और उपहास से होती है। असाधारण उपलब्धियां हासिल करने वाले लोगों में अपने विचार और अपनी क्षमता पर एक मजबूत विश्वास दिखाई देता है। इसका मतलब यह नहीं कि वे हर समय सही होते हैं। बल्कि वे गलत होने की संभावना के बावजूद कोशिश करने का साहस रखते हैं। आत्मविश्वास का सही अर्थ है- 'मुझे सब कुछ नहीं आता, लेकिन मैं सीख सकता हूं।' यही सोच नया व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रेरित करती है।

भविष्य का सही अनुमान लगाने की आदत: आम लोग व्यवसाय के लिए देखते या विचार करते हैं कि आज बाजार में क्या चल रहा है? लेकिन असाधारण सोच वाला व्यक्ति सोचता है कि कुछ वर्षों बाद लोग क्या चाहेंगे? बाजार में किस उत्पाद या सेवा की मांग होगी। यही फर्क कई बार विचार और नवाचार के बीच होता है। तकनीक बदल रही हैं, लोगों की आदतें बदल रही हैं, काम करने के तरीके बदल रहे हैं- इन बदलावों को समझकर आगे की तैयारी करना दूरदृष्टि है।



आलोचना से बेपरवाह: जैसे ही आप कुछ नया करेंगे, राय देने वाले लोग मिल जाएंगे। कोई कहेगा, 'यह तुम्हारे बस का नहीं।' कोई कहेगा, 'इसमें पैसा नहीं है।' कोई आपके पुराने अनुभवों का हवाला देकर आपको रोकने की कोशिश करेगा। आलोचना से भागना नहीं चाहिए। लेकिन हर राय को दिल और दिमाग पर नहीं लेना चाहिए। इस विषय में सुलझा हुआ तरीका है सलाह सुनो, उसके तथ्य जांचो, उपयोगी बात अपनाओ और अंतिम निर्णय सोच-समझकर खुद लो।

बेहतर बनने की भूख: असाधारण लोग केवल सफलता पाने की इच्छा नहीं रखते। वे अपने काम में उत्कृष्टता की तलाश करते रहते हैं। यह मानसिकता दूसरों को हराने की तुलना में कहीं अधिक उपयोगी है। यह सूत्र लंबे समय में असाधारण परिणाम दे सकता है।

वर्तमान सुख के बदले बड़ा लक्ष्य: मान लीजिए आपके सामने दो विकल्प हैं अभी दो घंटे मोबाइल पर मनोरंजन या वही दो घंटे किसी जरूरी कौशल को सीखने में लगाना। तुरंत मिलने वाला सुख आकर्षक होगा। लेकिन भविष्य का लाभ अकसर कम दिखाई देता है। इसीलिए आत्म-अनुशासन इतना महत्वपूर्ण है। इसका मतलब जीवन से आनंद खत्म करना नहीं है। इसका अर्थ है यह समझना कि हर इच्छा को तुरंत पूरा करना जरूरी नहीं।

पैसे की बचत जरूरी: सफल-समृद्ध लोग जानते हैं कि धन का अर्थ केवल अधिक कमाना नहीं है। धन को संभालना, बचाना और समझदारी से उपयोग करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। कोई व्यक्ति आय बढ़ा सकता है, लेकिन यदि उसका पूरा पैसा अनियोजित खर्च हो जाए तो आर्थिक सुरक्षा नहीं बनती। यानी पैसे को केवल उपभोग में खत्म करने के बजाय उसे भविष्य के लिए उपयोगी बनाना चाहिए।

जिम्मेदारी स्वीकार करना: जीवन में बहुत कुछ हमारे नियंत्रण से बाहर होता है। बाजार, मौसम, दूसरे लोगों के फैसले और कई परिस्थितियां हमारे हाथ में नहीं होतीं। साथ ही आपको समझना चाहिए कि हर परिस्थिति में कुछ न कुछ ऐसा जरूर होता है, जिस पर हमारा नियंत्रण रहता है जैसे-हमारी तैयारी, हमारा व्यवहार, हमारा अगला कदम। यही जिम्मेदारी की भावना व्यक्ति को निष्क्रिय शिकायत से सक्रिय प्रयास की ओर ले जाती है।

सीमित जोखिम लेना: सफलता की कहानियां अकसर जोखिम से जुड़ी होती हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि सफल व्यक्ति आंख बंद करके जोखिम लेते हैं। समझदारी यह है कि जोखिम और संभावित लाभ दोनों को देखा जाए। किसी नई स्किल को सीखने में समय लग सकता है, लेकिन वह वर्षों तक उपयोगी हो सकती है। कोई नया व्यवसाय शुरू करने से पहले बाजार, पूंजी, मांग और संभावित नुकसान समझना जरूरी है। *

हालांकि पान मूल रूप से भारतीय पौधा नहीं है। लेकिन इसकी पहचान प्राचीन काल से ही भारतीय संस्कृति से जुड़ी हुई है। पौराणिक कथाओं, ऐतिहासिक संदर्भों, पूजा-पाठ से लेकर औषधि और सामाजिक प्रतिष्ठा के तौर पर इसका उपयोग किया जाता रहा है।

प्राचीन काल से बरकरार है

भारतीय संस्कृति में पान की शान

संस्कृति
शाहिद ए. चौधरी





पान के पत्ते को लेकर रामकथा में सुंदर प्रसंग का वर्णन मिलता है। भगवान श्रीराम का संदेश लेकर जब हनुमानजी लंका की अशोक वाटिका में पहुंचे तो संदेश पाकर माता सीता अत्यधिक प्रसन्न हो गईं और वह इसके लिए हनुमानजी को कोई उपहार देना चाहती थीं, लेकिन उन्हें आस-पास कोई फूल नहीं मिला। तब उन्होंने पास के एक पौधे से ताजा पत्ते तोड़े और उनको आपस में गूंथकर, आशीर्वाद के साथ हनुमानजी को प्रदान किया। वह पौधा पान का था। चूंकि यह प्रेमाशीष माता सीता से उन्हें मिला था, इसलिए हनुमानजी के लिए पान के पत्ते अति प्रिय हो गए, विशेषकर इसलिए कि यह सम्मान, शुद्धता व नई शुरुआत का प्रतिनिधित्व करते हैं। मान्यता है कि तभी से पूजा के दौरान जब हनुमानजी को पान के पत्ते या उनकी माला को अर्पित किया जाता है, तो वे अति प्रसन्न हो जाते हैं क्योंकि इससे उन्हें माता सीता के आशीष की याद आ जाती है। इससे हनुमानजी भक्त को सुख, अच्छी सेहत के आशीर्वाद के अतिरिक्त उसके समक्ष आने वाली बाधाएं भी दूर कर देते हैं।

प्राचीन ग्रंथों में वर्णन: पान, जिसे तंबुला भी कहते हैं, का उल्लेख प्राचीन संस्कृत, तमिल साहित्य और पांचवीं शताब्दी के कालिदास के लेखन में भी मिलता है। प्राचीन आयुर्वेदिक ग्रंथों जैसे चरक संहिता में पान की तारीफ करते हुए बताया गया है कि यह पाचन में मदद करता है, श्वास में ताजगी लाता है और शरीर के दोषों को संतुलित करता है। कामसूत्र में कहा गया है कि पान चबाने से पौरुष में वृद्धि होती है। इस पृष्ठभूमि में पान का भारतीय संस्कृति का अटूट हिस्सा बनना स्वाभाविक था और वह भी इस सीमा तक कि प्राचीन व मध्ययुग की हिंदू रियासतों (जैसे कन्नौज) में राजा के हाथों से पान हासिल करना बहुत बड़ा शाही सम्मान माना जाता था। स्वागत व विदाई में पान के पत्तों की संख्या से हैसियत मालूम होती थी- राजा को 32 पान, राजकुमार को 24 पान, ज्ञानी को 12 पान और साधारण व्यक्ति को 4 पान प्रदान किए जाते थे। औपचारिक समारोह में मेजबान दोनों हाथों से पान पेश करता था। दूसरों के सामने पान खाना और उन्हें पेश न करना अभद्रता में शुमार होता था। प्रतिद्वंदी से पान लेने के लिए मजबूर होना अपमान का घूंट पीना था। महिला द्वारा पुरुष को पान देना उसे आमंत्रित करना था।

इतिहास में मिलते हैं संदर्भ: दिलचस्प बात यह है कि पान, भारतीय पौधा नहीं है। यह इंडोनेशिया के द्वीपों व मलय प्रायद्वीप से पानी के व्यापारी जहाजों के जरिए भारत आया। कर्नाटक के बेलूर में चेन्नाकेशव मंदिर (जिसका निर्माण 12वीं शताब्दी में होयसल राजवंश ने कराया था) की बाहरी दीवारों पर एक महिला को पान के पत्ते लिए हुए दर्शाया गया है, जिससे मालूम होता है कि पान को भारत में सदियों पहले स्वीकृति मिली और अब कोई हिंदू समारोह इसके बिना पूर्ण नहीं होता है।

तमिल संगम कविता 2,000 वर्ष पुराने संसार को बयान करती है जो पान से परिचित थी। पातिप्पलाई कविता में पुहार के व्यस्त बाजारों का वर्णन है, जहां पान के पत्ते बेचे जाते थे। मदुरैकांची कविता में पान की खेती व बिक्री का जिक्र मिलता है, जबकि कुसुंटोकाई कविता में बताया गया है कि छाली के साथ पान पेश करना मेजबानी व प्रेम का प्रतीक माना जाता था। असम में मेहमान को सबसे पहले छालियां या सुपारी पेश की जाती थीं। भूटान में जब भी दो लोग मिलते तो 'डोमा ज्हेस' (कृपया पान व छाली लें) कहते।

मुगलकाल में पान का सेवन ललित कला के स्तर तक पहुंच गया। चांदी व सोने के पानदान कुलीन जीवन का आवश्यक अंग बन गए। यूरोपीय यात्रियों जैसे थॉमस रो ने लिखा है कि बादशाह जहांगीर के अपने पानदान से पान मिलना जबरदस्त राजनयिक सम्मान का प्रतीक था। दिल्ली व लखनऊ के नवाबी दौर में पान शेर-ओ-शायरी, संगीत व तवाइफों की तहजीब का हिस्सा बन गए। ब्रिटिशकाल में पान का कुलीन सांस्कृतिक स्टेटस कम होने लगा। ब्रिटिश प्रशासनिक व सेनेटरी दृष्टिकोण के तहत पान को 'गंदी देशज प्रथा' के रूप में देखा जाने लगा। छाली व तंबाकू युक्त पान खाने की आदत को मुंह व गले के कैंसर से जोड़ा जाने लगा। लेकिन इस 'कोलोनियल कलंक' के बावजूद पान खाने का सिलसिला जारी रहा।

बरकरार है रुतबा: आज भी रोजमर्रा के स्ट्रीट फूड के रूप में (देश के लगभग हर शहर में आपको पनवाड़ी की दुकान मिल जाएगी), खाने के बाद हाजमे के लिए और मेहमाननवाजी के तौर पर शादियों, उत्सवों व समारोह में। पहले जहां सिर्फ तीन किस्म के पान खाए जाते थे- मीठा पान (गुलकंद, तिल, नारियल आदि युक्त), सादा पान (सिर्फ कत्था, चुना व छाली सहित) व जर्दा पान (तंबाकू सहित) तो अब चॉकलेट, फ्रूट-फ्लेवर, फायर पान आदि भी आ गए हैं। *

शायरों की नजर में पान का अंदाज



'जब हम-कलाम हम से होता है पान खाकर/किस रंग से करे है बातें चबा-चबाकर।' मीर तकी मीर ने अपने इस शेर में फ्लर्ट करने के रोजमर्रा के पलों का शानदार नक्शा खींचा है, जिसमें प्रेमिका का पान खाना लालित्य व शरारत का माध्यम बन जाता है। पान चबाने से बोलना जानबूझकर धीमा, रंगीन, प्यारा व आकर्षण भरा हो जाता है। प्रेमी न सिर्फ शब्दों से मंत्रमुग्ध हो जाता है बल्कि इस वजह से भी कि हर 'चबाया' हुआ वर्ण शोखी में बदल जाता है। प्रेमिका के इस अंदाज से पान खाने पर मुसहफी गुलाम हमदानी कहते हैं- 'पान खाने की अदा ये है तो इक आलम को/खून रुलाएगी मिरी जान दहन-ए-सुर्ख तिरा।' लेकिन जब प्रेमिका अपने प्रेमी को पान देती है, तो असद अली खान कलक के शब्दों में यह होता है- 'होठों में दाब कर जो गिलौरी दी यार ने/क्या दांत पीसे गैरों ने क्या-क्या चबाए होंठ।' इसी विचार को अकबर इलाहाबादी ने इस तरह से कहा है- 'लगावट की अदा से उनका कहना पान हाजिर है/कयामत है सितम है दिल फिदा है जान हाजिर है।'

शुरुआती दौर से ही हिंदी फिल्मों में भक्ति गीत और भजनों का क्रेज रहा है। इनमें भी मां दुर्गा को समर्पित कई गीत तो बेहद लोकप्रिय हुए और आज भी उनकी लोकप्रियता बरकरार है। यहां कुछ ऐसे ही लोकप्रिय फिल्मी गीतों पर नजर डाल रहे हैं, जिनमें मां दुर्गा की महिमा का वर्णन या उनकी शक्ति का आह्वान किया गया है।

मां दुर्गा की महिमा से दमकते

हिंदी फिल्मों के प्रसिद्ध गीत

सिने ट्रेंड
मनोज प्रकाश



फिल्म 'अवतार' का गीत 'चलो बुलावा आया है..'



फिल्म 'सुहाग' का गीत 'नाम रे सबसे बड़ा तेरा'

धर्म का प्रतिनिधित्व करती हुई जब कोई फिल्म बनती है, तो उसे देखने के नए रिकॉर्ड बनते हैं और जब किसी फिल्म में चमत्कार होता है, तो वह उस फिल्म का हिट पक्ष बन जाता है। यूं तो लगभग हर देवी-देवता की बॉलीवुड फिल्मों में गीतों में स्तुति हुई है लेकिन उनमें से कुछ देवी-देवताओं पर अधिक गीत बनाए गए हैं। मां दुर्गा और उनके विभिन्न स्वरूपों का गुणगान, बॉलीवुड फिल्मों के गीतों में खूब किया जाता रहा है। कुछ फिल्में तो ऐसी हैं, जिनमें शामिल किए गए मां दुर्गा के एक गीत या भजन ने उस फिल्म को भरपूर लोकप्रियता प्रदान की। 'अवतार', 'आशा' और 'सुहाग' जैसी कई फिल्में इसका बेहतरीन उदाहरण हैं।

'अवतार' का 'चलो बुलावा आया है': फिल्म 'अवतार' वर्ष 1983 में जब आई तो इसकी कहानी ने दर्शकों के दिलों को स्पर्श कर लिया। राजेश खन्ना और शबाना आजमी ने इस फिल्म में ऐसे माता-पिता का रोल प्ले किया है, जिन्होंने अपने बच्चों के लिए सब कुछ दांव पर लगा दिया। इसी में जब बच्चा अधिक बीमार होता है, तो दोनों माता वैष्णो देवी के दरबार में जाते हैं और वहां जो चमत्कार होता है, वही इस फिल्म का अहम हिस्सा बन जाता है। फिल्म में नरेंद्र चंचल, महेंद्र कपूर और आशा भोसले द्वारा गाया यह गीत 'चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है', आज भी घरों-मंदिरों में भक्ति-भाव से खूब गाया, सुना और बजाया जाता है। यह मां दुर्गा को समर्पित सबसे लोकप्रिय भक्ति गीतों में से एक है। शारदीय नवरात्र हो या चैत्र नवरात्र माताराणी का यह फिल्मी भजन अवसर को और भी भक्तिमय बना देता है। मां और दुर्गा मां को केंद्र में रखकर बुना गया यह गीत आज भी उतना ही लोकप्रिय है, जितना अपने रिलीज के वक्त हुआ था।



फिल्म 'क्रांतिवीर' का गीत 'जय अंबे जगदंबे मां..'

'आशा' का 'तूने मुझे बुलाया शेरा वालिए': सन 1980 में आई फिल्म 'आशा', जितेंद्र, रीना राय और रामेश्वरी के अभिनय से सजी थी। इसमें भी नरेंद्र चंचल और मोहम्मद रफी द्वारा गाया भजन 'तूने मुझे बुलाया शेरा वालिए,' खूब लोकप्रिय हुआ। आज चाहे माता वैष्णों के द्वार पर जाने वाले भक्त हों या फिर दूसरे सिद्धपीठों में मां के दर्शन को जाते भक्त, मार्ग से लेकर मंदिर तक, हर कहीं 'तूने मुझे बुलाया शेरा वालिए, मैं आया मैं आया शेरा वालिए..' सुनाई पड़ता है। माता रानी के भक्त इसे भक्ति भावना के प्रदर्शन के साथ-साथ अपनी धार्मिक यात्रा की थकान मिटाने के लिए भी गाते हैं।

'सुहाग' का 'नाम रे सबसे बड़ा तेरा नाम': 1979 की फिल्म 'सुहाग' जब आई तो एंग्री यंग मैन का जमाना था। अमिताभ बच्चन, शशि कपूर तथा रेखा की इस फिल्म का गीत- 'हे नाम रे, सबसे बड़ा तेरा नाम, ओ शेरोंवाली, ऊंचे डेरों वाली, बिगड़े बना दे मेरे काम।' मोहम्मद रफी तथा आशा भोसले ने इसमें जो लय दी है, वह ही इसको ऑल टाइम हिट बना गई। मंदिरों से लेकर दुर्गा पंडालों तक में इसकी मधुर आवाज से भक्त रमे रहते हैं। सही बात तो यह है कि चाहे डांडिया हो या गरबा सभी में इसको खूब बजाया जाता है।



'खिलाड़ियों का खिलाड़ी' का गीत 'मां शेरा वालिए'

नवरात्र पर केंद्रित कई अन्य गीत हुए लोकप्रिय: अलग-अलग दौर में आई कई अन्य फिल्मों में भी मां दुर्गा पर केंद्रित गीत रचे गए। इन गीतों ने भी खूब लोकप्रियता बटोरी। आज भी लोगों के दिलों में इन गीतों की खास जगह है। 'हम दिल दे चुके सनम' का 'ढोली तारो ढोल बाजे, ढोल बाजे ढोल बाजे, की धाम धाम बाजे ढोल...' भी डांडिया पंडालों में उतना ही लोकप्रिय है, जितना कि इस फिल्म में था। फिल्म 'क्रांति' का 'दुर्गा है मेरी मां, अंबे है मेरी मां' और 'क्रांतिवीर' का 'जय अंबे जगदंबे मां' भी कम प्रसिद्ध नहीं हुए। 'मर्द' में अनु मलिक तथा शब्बीर कुमार का गाया हुआ गीत 'मां शेरोंवाली' उस समय खूब चला, जब यह मूवी आई थी। 'खिलाड़ियों का खिलाड़ी' का गीत इसी से मिलता हुआ था 'मां शेरा वालिए, तेरा शेर आ गया।' फिल्मों से अलग हटकर देखें तो माता के जगराते में भी यही शक्ति केंद्र में रही। आज तक गैर फिल्मी जो सबसे अधिक पसंदीदा गीत बना वह है 'प्यारा सजा है तेरा द्वार भवानी।' इसे तो लोकगायकों ने भी गाया और फिल्मी गायक-गायिकाओं ने भी। 'अंबे तू है जगदंबे' को तो न जाने कितने गायकों ने गाया है और बॉलीवुड ने इसे कई बार दृश्य को एक नया मोड़ देने के लिए प्रयोग किया।

दर्शकों को खूब लुभाया इन गीतों ने: इस बात में संदेह नहीं कि माता दुर्गा के तमाम रूप हैं जिन्हें बॉलीवुड ने जब तब दर्शकों के सामने अलग-अलग गीतों के रूप में पेश किया। इसके लिए फिल्म की कहानी ऐसी रखी गई जिसमें एक भजननुमा गीत इसमें समाहित किया जा सके। कहानी भी ऐसी जिसे देखकर दर्शकों की आंखें नम हो जाएं। कुछ भजनों को इस तरह से तैयार किया गया कि वह डांडिया या गरबा में भी चलें और दुर्गा जागरण या सामान्य तौर पर भक्तों को भक्ति में रमा दें। कहने का सार यही है कि बॉलीवुड फिल्मों में मां शक्ति के विभिन्न रूपों को समर्पित खूब गीत रचे गए और ऐसे गीत खूब लोकप्रिय भी हुए। *